



ACSA

AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY

Where tradition meets innovation

8 से 14 मार्च 2023

साप्ताहिक

करेंट अफेयर्स

For

UPSC / RPSC

EXAMS

and All Other Competitive



- लिथियम
- रिज्क्सम्यूजियम खबरों में क्यों है?
- विश्व मोटापा एटलस 2023
- उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम
- एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी)
- महिला, व्यापार और कानून सूचकांक
- स्वामी निवेश कोष क्या है?
- कौन थे महादेव लाल श्रॉफ?
- एमआरएसएएम
- पीटीओ दस्ता प्रौद्योगिकी



World Obesity Atlas 2023

Read the Annual report from the World Obesity Federation here.

WORLD OBESITY

A UNIT OF

AGRAWAL PG COLLEGE

Affiliated to University of Rajasthan | Managed by Shri Agrawal Shiksha Samiti
(A Co-Educational College)



+91-8824395504, +91-8290664069



www.acsajaipur.com



Agrasen Katla, Maharaja Agrasen Marg,
Agra Road, Jaipur - 302003





AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

Where tradition meets innovation

Current Affairs from 08-03-2023 to 14-03-2023

लिथियम:

लिथियम तत्वों के क्षार धातु समूह से संबंधित एक अत्यधिक प्रतिक्रियाशील और ज्वलनशील नरम, चांदी-सफेद धातु है। इसमें विभिन्न प्रकार के औद्योगिक और औषधीय अनुप्रयोग हैं, जो इसे अत्यधिक मूल्यवान तत्व बनाते हैं।

लिथियम का उपयोग

लिथियम का उपयोग आमतौर पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीएस) के लिए रिचार्जबल बैटरी में किया जाता है। इसकी उच्च ऊर्जा घनत्व, कम स्व-निर्वहन और लंबे चक्र जीवन के कारण इसे अन्य धातुओं से अधिक पसंद किया जाता है। लिथियम बैटरी भी हल्की होती है, जो उन्हें पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए आदर्श बनाती है।

बैटरी में इसके उपयोग के अलावा, लिथियम में औषधीय अनुप्रयोग भी हैं। इसका उपयोग द्विध्रुवी विकार और अन्य मानसिक बीमारियों के उपचार में किया जाता है। लिथियम द्विध्रुवी विकार वाले लोगों में मिजाज को स्थिर करने और उन्मत्त एपिसोड को रोकने में मदद करता है। इसके अलावा, यह न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव पाया गया है और अल्जाइमर जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के इलाज में इसकी क्षमता के लिए अध्ययन किया जा रहा है।

लिथियम में कई औद्योगिक अनुप्रयोग भी हैं। इसका उपयोग सिरेमिक, कांच और स्नेहक के उत्पादन में किया जाता है। इसका उपयोग एयर कंडीशनिंग सिस्टम में भी किया जाता है, क्योंकि इसमें उच्च ताप हस्तांतरण गुणांक होता है और यह ऊर्जा दक्षता में सुधार करने में मदद कर सकता है।

लिथियम जमा

बोलीविया, अर्जेंटीना, चिली, ऑस्ट्रेलिया और चीन में लिथियम के सबसे बड़े भंडार हैं। हाल ही में, ईरान ने हमीदान के पश्चिमी प्रांत में लिथियम जमा की खोज करने का दावा किया है। इसमें लगभग 85 लाख मीट्रिक टन लिथियम अयस्क पाया जाता है। भारत में, संभावित 5.9 मिलियन टन लिथियम भंडार हाल ही में जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में रिपोर्ट किए गए थे।

रिजक्सम्यूजियम कहाँ है?

रिजक्सम्यूजियम नीदरलैंड का राष्ट्रीय संग्रहालय है। यह डच कला और इतिहास को समर्पित है। यह एम्स्टर्डम में वैन गोग संग्रहालय के निकट संग्रहालय स्क्वायर में स्थित है। इसकी स्थापना 19 नवंबर, 1798 को हेग में हुई थी। इसे 1808 में एम्स्टर्डम में स्थानांतरित कर दिया गया था।

रिजक्सम्यूजियम खबरों में क्यों है?

द नाइट वॉच इन द रिजक्सम्यूजियम रेम्ब्रांट की एक प्रसिद्ध पेंटिंग है - एक डच गोल्डन एज पेंटर। क्लाइमेट एक्टिविस्ट ग्रुप एक्सटिंक्शन रिबेलियन से संबद्ध सदस्यों ने एयरलाइन केएलएम और बैंक आईएनजी के साथ रिजक्सम्यूजियम की साझेदारी का विरोध करने के लिए एम्स्टर्डम में प्रसिद्ध पेंटिंग के करीब विरोध किया।

एक और उल्लेखनीय विकास गुलामी पर हाल की प्रदर्शनी है। इस कार्यक्रम में नीदरलैंड्स के 'ट्रॉको' (गुलामों को रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक लकड़ी का तख्ता ब्रेस), कॉलर आदि जैसे प्रदर्शन शामिल हैं।

रिजक्सम्यूजियम के बारे में क्या खास है?

यह संग्रहालय अपनी उत्कृष्ट कृतियों जैसे द मिल्कमिड, सेल्फ पोर्ट्रेट ऑफ वैन गॉग, रेम्ब्रांट की नाइट वॉच, द मेरी फैमिली आदि के लिए प्रसिद्ध है। इसका अंग्रेजी में अर्थ है राज्य संग्रहालय। संग्रहालय 1798 में स्थापित किया गया था। संग्रहालय 8,000 से अधिक कलाकृतियों को प्रदर्शित करता है। इसमें 1200-2000 शताब्दियों से संबंधित 1 मिलियन से अधिक वस्तुओं का संग्रह है।





रिजक्सम्यूजियम फ्रांसीसी संग्रहालय लौवर से प्रेरित था।

रिजक्सम्यूजियम और क्रिएटिव कॉमन्स यूनिवर्सल लाइसेंस

संग्रहालय ने डाउनलोड के लिए 125,000 छवियां उपलब्ध कराईं। हर साल संख्या बढ़ रही है। संग्रहालय हर साल अपनी संख्या बढ़ा रहा है। दस लाख छवियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है! ये छवियां क्रिएटिव कॉमन्स 1.0 यूनिवर्सल लाइसेंस के तहत डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं। इसका अर्थ क्या है? कोई भी इस लाइसेंस के साथ छवियों का उपयोग कर सकता है। यदि किसी लेखक के पास अपनी पेंटिंग का पेटेंट अधिकार है तो आप उस पेंटिंग को वॉलपेपर के रूप में भी डाउनलोड या उपयोग नहीं कर सकते हैं। हालांकि, क्रिएटिव कॉमन्स 1.0 यूनिवर्सल लाइसेंस वाली छवियों को निजी उद्देश्यों के लिए डाउनलोड और उपयोग किया जा सकता है।

विश्व मोटापा एटलस 2023

वर्ल्ड ओबेसिटी फेडरेशन ने एक रिपोर्ट "वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस 2023" जारी की है। इस रिपोर्ट ने अफ्रीका में बच्चों और वयस्कों के बीच मोटापे की दर में उल्लेखनीय वृद्धि की भविष्यवाणी की, 2035 तक बाल मोटापे की दर में 5% से 14% और वयस्क महिलाओं में 18% से 31% की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि दुनिया के आधे से अधिक जनसंख्या 2035 तक अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हो सकती है, बचपन में मोटापे के दोगुने से अधिक होने की भविष्यवाणी की गई है।

क्या कह रही है रिपोर्ट?

मोटापे की दर में सबसे अधिक वृद्धि अफ्रीका और एशिया के निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों में पाई गई। रिपोर्ट में मोटापे को रोकने और इलाज करने और प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए तत्काल और समन्वित कार्रवाई का आह्वान किया गया है।

विश्व मोटापा दिवसखेतों से बेहतर भुगतान वाले क्षेत्रों में अधिशेष श्रम के स्थानांतरण के कारण सभी बदलाव। इससे उत्पादकता में वृद्धि और आय में वृद्धि होने की उम्मीद है।

संरचनात्मक परिवर्तन समाचारों में क्यों है?

2021-22 के लिए हाल ही में जारी वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट से पता चलता है कि कृषि क्षेत्र अभी भी भारत में श्रम बल का एक महत्वपूर्ण अनुपात 45.5% पर कार्यरत है। हालांकि यह आंकड़ा 2020-21 में 46.5% से थोड़ा कम हुआ है, फिर भी यह 2018-19 के निचले स्तर 42.5% से अधिक है। यह इंगित करता है कि महामारी के कारण हुए आर्थिक व्यवधान, जिसके कारण खेतों में वापस पलायन हुआ, अभी तक पूरी तरह से हल नहीं हुआ है। विशेष रूप से, 2011-12 से संरचनात्मक परिवर्तन धीमा रहा है।

1991 में भारत में हुआ संरचनात्मक परिवर्तन क्या है?

उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण यह संरचनात्मक परिवर्तन 1991 में शुरू की गई नई आर्थिक नीति के तहत लाया गया था। श्री पीवी नरसिम्हा राव तत्कालीन पीएम थे और डॉ मनमोहन सिंह तत्कालीन वित्त मंत्री थे। इस संरचनात्मक परिवर्तन का मुख्य उद्देश्य भारत को अधिक बाजारोन्मुख बनाना, मुद्रास्फीति की दर को कम करना, अर्थव्यवस्था की विकास दर को बढ़ाना, देश में आर्थिक वस्तुओं के प्रवाह को बढ़ाना आदि था।

उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम

भारतीय सेना ने उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण क्षमता अंतराल को भरने के लिए एक स्वदेशी एडवांस्ड टोएड आर्टिलरी गन सिस्टम (ATAGS) के अधिग्रहण का प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव को रक्षा मंत्रालय से मंजूरी मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद 310 तोप तोपों के लिए ऑर्डर दिए जा सकते हैं।



उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम का विकास किसने किया?

ATAGS को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा सेवा में वर्तमान 155 मिमी आर्टिलरी सिस्टम, बोफोर्स टोड गन को बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस होवित्ज़र (यानी तोपखाने का हथियार जो अपेक्षाकृत कम दूरी पर गोले दागता है) का सेना द्वारा विभिन्न इलाकों में व्यापक परीक्षण किया गया है और इसे शामिल करने के लिए फिट घोषित किया गया है। यह भारत फोर्ज़ और टाटा डिफेंस एंड एयरोस्पेस द्वारा निर्मित है। इसके अधिग्रहण से भारतीय सेना की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

एडवांस्ड टोएड आर्टिलरी गन सिस्टम क्या है?

ATAGS एक खींची हुई होवित्ज़र है। खींची हुई होवित्ज़र तोप और मोर्टार के बीच गिरती है। इसका वजन 18 टन है। इसे 75 डिग्री तक बढ़ाया जा सकता है। यह 60 सेकंड में पांच राउंड फायर कर सकती है। ATAGS की फायरिंग रेंज 48.074 किमी है। ATAGS को पहली बार 2017 के गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदर्शित किया गया था।

एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी)

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने पूरे भारत में 57 शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) में एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) शुरू किया है। यह प्रमुख पहल एनईपी 2020 के तहत शुरू की गई है। इसे 2021 में अधिसूचित किया गया था। यह 4 साल के दोहरे प्रमुख स्नातक डिग्री कार्यक्रम की पेशकश करता है, जो शिक्षकों को नए स्कूल ढांचे के 4 चरणों यानी 5+3+3+4 की संरचना के लिए तैयार करता है। आधारभूत, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक शिक्षा।

आईटीईपी क्या है?

आईटीईपी का उद्देश्य अन्य चीजों के साथ-साथ अत्याधुनिक शिक्षाशास्त्र, मूलभूत साक्षरता और अंकज्ञान, प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा, समावेशी शिक्षा और भारत के मूल्यों, लोकाचार, कला और परंपराओं की समझ प्रदान करना है। इस कोर्स से पास होने वाले भावी शिक्षक नए भारत के भविष्य को आकार देने के लिए 21वीं सदी के वैश्विक मानकों से लैस होंगे। यह कोर्स 5 साल की जगह 4 साल में पूरा करने से छात्रों का एक साल बचेगा।

आईटीईपी के लाभ

यह अत्याधुनिक शिक्षण प्रदान करेगा। इसका मतलब है कि यह शिक्षण विधियों और शिक्षण प्रथाओं में उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीकों को प्रदान करेगा। इसके अलावा, यह प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा में मूलभूत साक्षरता और सहायता स्थापित करेगा। (ईसीसीई)

नशा मुक्त भारत अभियान

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम, नशा मुक्त भारत अभियान (NMBA) का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालय परिसरों, स्कूलों और सामुदायिक जुड़ाव पर विशेष ध्यान देने के साथ भारत में युवाओं के बीच मादक द्रव्यों के सेवन के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। हाल ही में, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग और ब्रह्मा कुमारियों ने NMBA को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नशा मुक्त भारत अभियान क्या है?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 2020 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम 272 सबसे कमजोर जिलों के लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था। यह अब देश भर के 372 जिलों और 3 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में 3.10 करोड़ युवा व्यक्तियों सहित 9.50 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच गया है। NMBA ने मादक पदार्थों की लत के खतरों पर जोर देने वाली विभिन्न गतिविधियों का

संचालन किया है। यह कार्यक्रम मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने और एक स्वस्थ, उत्पादक समाज को बढ़ावा देने में जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक भागीदारी को भी प्राथमिकता देता है।

क्या है ब्रह्मोस मिसाइल?

ब्रह्मोस मिसाइल एक प्रकार की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे पनडुब्बी, जहाज, हवाई जहाज या जमीन जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जा सकता है। यह वर्तमान में दुनिया की सबसे तेज़ सुपरसोनिक मिसाइल है और इसे भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और रूस के NPO मशीनोस्ट्रोयेनिया के बीच एक साझेदारी द्वारा विकसित किया गया है, जो ब्रह्मोस एयरोस्पेस का निर्माण करता है। मिसाइल का नाम दो नदियों, भारत में ब्रह्मपुत्र और रूस में मोस्कवा के नाम पर रखा गया है।

ब्रह्मोस मिसाइल खबरों में क्यों है?

हाल ही में, भारतीय नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइल के जहाज से प्रक्षेपित संस्करण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। मिसाइल परीक्षण अरब सागर में एक स्वदेशी सीकर और बूस्टर का उपयोग करके किया गया था। विशेष रूप से, इसके एंटी-शिप संस्करण का अप्रैल 2022 में अंडमान और निकोबार कमांड और नौसेना द्वारा संयुक्त रूप से परीक्षण किया गया था।

क्रूज मिसाइल गाइडेड मिसाइल होती हैं। इसका मतलब है कि उड़ान के दौरान मिसाइल का रास्ता बदला जा सकता है। गति के आधार पर मिसाइलों को सुपरसोनिक, हाइपरसोनिक और सबसोनिक के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। सुपरसोनिक मिसाइलें वे मिसाइलें होती हैं जो 2-3 मैक की गति से उड़ती हैं। हाइपरसोनिक मिसाइलें 5 मैक की गति से उड़ती हैं और सबसोनिक मिसाइलें 0.8 मैक की गति से उड़ती हैं।

बाजरा सस्ता क्या है?

भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रवर्तित सोसायटी, स्मॉल फार्मर्स एग्री-बिजनेस कंसोर्टियम ने मिलेट्स गिवअवे नामक एक विशेष विपणन अभियान शुरू किया है। अभियान का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) से उनकी आजीविका का समर्थन करने के लिए सीधी खरीद को बढ़ावा देना है।

बाजरा सस्ता क्या है?

मिलेट्स गिवअवे अभियान नागरिकों को ओएनडीसी के माई स्टोर के माध्यम से एफपीओ से सीधे मोटे अनाज खरीदने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो भारतीय विक्रेताओं के लिए बनाया गया एक मार्केटप्लेस है। बाजरा अभियान का प्राथमिक फोकस है, जो अधिक से अधिक लोगों को अपने आहार में इन अनाजों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। यह बाजरा 2023 के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष में इन पोषक अनाजों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रव्यापी और विश्वव्यापी अभियान का एक हिस्सा है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

- भारत चाबहार के जरिए अफगानिस्तान को 20,000 मीट्रिक टन गेहूं भेजेगा: विदेश मंत्रालय
- डॉ माणिक साहा त्रिपुरा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।
- वित्तीय समावेशन के लिए वैश्विक भागीदारी की दूसरी बैठक हैदराबाद में संपन्न हुई।
- जन औषधि दिवस का अंतिम दिन आओ जन औषधि मित्र बने के रूप में मनाया गया।
- केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के तहत स्वच्छोत्सव का शुभारंभ किया।
- नागालैंड की पहली महिला मंत्री सल्होतुओनुओ क्रूस ने महिला दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यभार संभाला।
- बीएसई और संयुक्त राष्ट्र महिला भारत ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में एक नया कार्यक्रम 'फिनमपावर' लॉन्च किया
- अदाणी पावर ने एनसीएलटी की मंजूरी मिलने के बाद अपनी छह अनुषंगियों का खुद में विलय कर लिया है।

- पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने ₹4,070.98 करोड़ की दो पारिषण परियोजनाओं को मंजूरी दी है।
- संयुक्त राष्ट्र: तुर्की और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप से तुर्की को 100 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस "डिजिटऑल: इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फॉर जेंडर इक्वेलिटी" की थीम पर मनाया जा रहा है।
- भारत और इथियोपिया वीजा छूट और सिस्टर-सिटी परियोजनाओं पर रुके हुए समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए तैयार हैं।
- हॉकी इंडिया (HI) ने प्रतिभा का पता लगाने और बेंच स्ट्रेंथ में सुधार के लिए एक नए कार्यक्रम की घोषणा की।
- भारत की अंकिता रेना-प्रार्थना थोंबारे ने आईटीएफ महिला ओपन के युगल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।
- अमेरिकी वीजा विवाद के बीच नोवाक जोकोविच इंडियन वेल्स से हट गए।

येलोस्टोन राष्ट्रीय उद्यान कहाँ है?

अमेरिका में येलोस्टोन नेशनल पार्क, जिसने हाल ही में अपनी 151 वीं वर्षगांठ मनाई, को दुनिया का पहला राष्ट्रीय उद्यान माना जाता है। व्योमिंग, मॉन्टाना और इडाहो में 9,000 वर्ग किमी में फैले पार्क की स्थापना 1872 में येलोस्टोन नेशनल पार्क प्रोटेक्शन एक्ट के साथ अमेरिकी कांग्रेस द्वारा की गई थी।

येलोस्टोन नेशनल पार्क अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विविध वन्य जीवन के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें घड़ियाल भालू, भेड़िये और लुप्तप्राय बाइसन और एल्क शामिल हैं। ओल्ड फेथफुल गीज़र इसकी सबसे उल्लेखनीय भू-तापीय विशेषताओं में से एक है। हालाँकि, यह राष्ट्रीय उद्यान मूल अमेरिकी समुदायों के विस्थापन के बाद स्थापित किया गया था, जो सरकार के सत्ता में आने से पहले 11,000 से अधिक वर्षों से इस क्षेत्र में शिकार और इकट्ठा हो रहे थे।

येलोस्टोन नेशनल पार्क की भौतिक विशेषताएं

येलो स्टोन नेशनल पार्क क्षेत्र भूकंप और ज्वालामुखी जैसी विवर्तनिक गतिविधियों के कारण बनाया गया था। इसमें बर्फ और पानी जैसी अपरदनात्मक क्रियाएं भी होती हैं। पार्क में जीवाश्म वन, ओब्सिडियन पर्वत, लावा प्रवाह और विषम अद्वितीय कटाव रूप हैं। ओब्सिडियन आग्नेय चट्टानें हैं जो ज्वालामुखियों से लावा के तेजी से ठंडा होने के कारण बनती हैं।

Nexletol क्या है?

नए शोध से पता चला है कि Nexletol, एक अलग प्रकार की कोलेस्ट्रॉल कम करने वाली दवा है, जो उन लोगों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प हो सकती है जो साइड इफेक्ट के कारण स्टैटिन लेने में असमर्थ हैं। नेक्सलेटोल, जिसे बेम्पेडोइक एसिड के रूप में भी जाना जाता है, को पहले स्टैटिन के साथ उपयोग करने के लिए निर्धारित किया गया था। अध्ययन यह दिखाते हैं कि नेक्सलेटोल अकेले कोलेस्ट्रॉल से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम कर सकता है।

नेक्सलेटोल कैसे काम करता है?

Nexletol लिवर में कोलेस्ट्रॉल के जमाव को रोकता है। स्टैटिन वही करता है। हालाँकि, अंतर यह है कि स्टैटिन मांसपेशियों के दुष्प्रभाव का कारण बनते हैं जबकि नेक्सलेटोल नहीं करता है। Nexletol से उपचारित रोगियों में हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम 13% कम था।

नेक्सलेटोल क्या करता है?

Nexletol दिल के दौरों के खतरे को कम करता है। खराब कोलेस्ट्रॉल दिल के दौरों का कारण बनता है जिससे धमनियां अवरुद्ध हो जाती हैं। यह दवा लिवर में एडेनोसिन ट्राइफॉस्फेट साइट्रेट लाईज़ नामक एंजाइम को अवरुद्ध करके ऐसा करती है। यह एंजाइम कोलेस्ट्रॉल के उत्पादन की कुंजी है।

नेक्सलेटोल के बारे में

नेक्सलेटोल का वैज्ञानिक नाम बेम्पेडोइक एसिड है। इसे पहली बार अमेरिका में 2020 में मंजूरी मिली थी। यह प्रथम श्रेणी की दवा है।

Nexletol एक प्रथम श्रेणी की दवा है

जो दवाएं "कार्य के नए और अनोखे तंत्र" का उपयोग करती हैं, उन्हें प्रथम श्रेणी की दवाओं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। यह एक नियामक श्रेणी नहीं है। इन दवाओं की सूची एफडीए द्वारा बनाई और रखी जाती है।

महिला, व्यापार और कानून सूचकांक

विश्व बैंक द्वारा हाल ही में जारी महिला, व्यापार और कानून सूचकांक के अनुसार, हालांकि अधिकांश देशों ने लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए कानून लागू किए हैं, फिर भी कानूनी अधिकारों और प्रावधानों के मामले में पुरुषों और महिलाओं के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। रिपोर्ट से पता चला कि लैंगिक समानता की दिशा में सुधार की वैश्विक गति 20 साल के निचले स्तर पर आ गई है।

महिला, व्यापार और कानून सूचकांक क्या है?

महिला, व्यवसाय और कानून सूचकांक 190 देशों में महिलाओं से संबंधित कानूनों और विनियमों का मूल्यांकन करता है। मूल्यांकन में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी से संबंधित 8 क्षेत्रों को शामिल किया गया है। ये गतिशीलता, कार्यस्थल, वेतन, विवाह, पितृत्व, उद्यमिता, संपत्ति और पेंशन हैं।

भारत ने कुल संभावित 100 में से 74.4 स्कोर किया। दुर्भाग्य से, भारत का स्कोर घाना, जिम्बाब्वे, नेपाल और कांगो जैसे अन्य देशों की तुलना में कम था। जबकि यह दक्षिण एशियाई क्षेत्र के 63.7 के औसत से अधिक है, यह नेपाल के 80.6 से कम है। सूचकांक ने कुल 190 अर्थव्यवस्थाओं को कवर किया। इनमें से केवल 14 ने 100 अंक प्राप्त किए। वे स्वीडन, स्पेन, लक्समबर्ग, लातविया, कनाडा, बेल्जियम, फ्रांस, डेनमार्क, जर्मनी, आइसलैंड, ग्रीस, आयरलैंड, नीदरलैंड, पुर्तगाल आदि थे। जैसा कि आप देख सकते हैं कि वे सभी यूरोपीय देशों को छोड़कर हैं। कनाडा।

उच्चतम वृद्धि

MENA देशों में अच्छी वृद्धि देखी गई। MENA देश मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीकी देश हैं। कांगो, नेपाल, जिम्बाब्वे और घाना में अच्छी वृद्धि देखने वाले MENA देश थे।

महिलाओं की वर्तमान स्थिति पर रिपोर्ट

दुनिया में केवल 77% महिलाओं को कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। दुनिया में लगभग 2.4 बिलियन महिलाएं उन देशों में रह रही हैं जो पुरुषों के समान कानूनी अधिकार प्रदान नहीं करते हैं।

भारत पर रिपोर्ट

रिपोर्ट के मुताबिक वेतन, विरासत और संपत्ति के अधिकारों के कानूनों के कारण भारत लैंगिक समानता के मामले में पिछड़ रहा है। भारत का स्कोर दक्षिण एशियाई क्षेत्र के औसत से अधिक था, जो 63.7 था। भारत का स्कोर नेपाल से कम था जिसने 80.6 स्कोर किया था।

प्लास्टोसिस क्या है?

ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने पक्षियों में "प्लास्टिकोसिस" नामक एक नई फाइब्रोटिक बीमारी की खोज की है। यह रोग प्लास्टिक के उपभोग के कारण होता है, जिससे पक्षियों के पाचन तंत्र में लंबे समय तक सूजन और निशान ऊतक का निर्माण होता है। अध्ययन में पाया गया कि पक्षियों ने प्लास्टिक में अपने शरीर के वजन का लगभग 12.5% उपभोग किया था।

अध्ययन में पाया गया कि प्लास्टिक की खपत पक्षियों के पाचन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे वे संक्रमण और परजीवियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं और उनकी खुदाई करने की क्षमता प्रभावित होती है। स्था भोजन और कुछ विटामिन अवशोषित करें। प्लास्टिकोसिस से प्रोवेन्ट्रिकुलस में महत्वपूर्ण ग्रंथियों का धीरे-धीरे टूटना हो सकता है, जिसके पक्षियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

जब पक्षी प्लास्टिक का सेवन करते हैं, तो छोटे-छोटे टुकड़े पक्षियों के पाचन तंत्र में फंस जाते हैं। धीरे-धीरे, संयोजी ऊतक पैरेन्काइमल ऊतक को बदल देता है। प्रतिस्थापन की दर तेजी से फैलती है। यह ऊतक रिमॉडेलिंग की ओर जाता है। अंततः ऊतक में स्थायी रूप से डरा हुआ होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, पक्षियों और जानवरों द्वारा निगले जाने वाले प्लास्टिक की संख्या मनुष्यों द्वारा निगले गए प्लास्टिक की संख्या से अधिक है।

प्लास्टिकोसिस ट्यूबलर ग्रंथियों के टूटने का कारण बन सकता है। आखिरकार, परजीवियों से लड़ने के लिए पक्षी अपनी प्रतिरक्षा खो देंगे।

प्लास्टिकोसिस नाम क्यों?

यह रोग अन्य फाइब्रोटिक रोगों जैसे सिलिकोसिस और एस्बेस्टोसिस के समान है। सिलिकोसिस फेफड़ों में सिलिका धूल के लंबे समय तक रहने के कारण होता है। एस्बेस्टोसिस भी फेफड़ों की बीमारी है जो एस्बेस्टस कणों के सांस लेने के कारण होती है। जबकि पक्षियों में प्लास्टिकोसिस की सूचना मिली थी, मनुष्यों में सिलिकोसिस और एस्बेस्टोसिस की सूचना मिली थी।

चेरनोबिल अपवर्जन क्षेत्र क्या है?

चेरनोबिल अपवर्जन क्षेत्र चेरनोबिल परमाणु रिएक्टर आपदा के स्थल के आसपास एक नामित क्षेत्र है। यह 1986 की आपदा के बाद सोवियत सशस्त्र बलों द्वारा स्थापित किया गया था और शुरू में यह 30 किमी त्रिज्या क्षेत्र था। तब से जोन की सीमाओं का विस्तार किया गया है, यूक्रेन के एक बड़े क्षेत्र को कवर करते हुए, और यह बेलारूस में पोलोसी राज्य रेडियोइकोलॉजिकल रिजर्व के साथ एक सीमा साझा करता है। वर्षों से, साइट वन्यजीवों, जैसे भेड़ियों, जंगली घोड़ों और बाइसन के लिए एक सुरक्षित आश्रय बन गई है।

चेरनोबिल अपवर्जन क्षेत्र समाचारों में क्यों है?

चेरनोबिल अपवर्जन क्षेत्र के पास रहने वाले आवारा कुत्तों का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने पाया है कि विकिरण के संपर्क में आने से उनके आनुवंशिक मेकअप में बदलाव आ सकता है। विकिरण के विभिन्न स्तरों के संपर्क में आने वाली कैनाइन आबादी की आनुवंशिक संरचना भी एक दूसरे से भिन्न पाई गई। ऐसा माना जाता है कि ये कुत्ते 1986 में परमाणु आपदा के बाद छोड़े गए पालतू जानवरों के वंशज हैं। बड़े स्तनधारियों के आनुवंशिक मेकअप पर विकिरण के प्रभाव में इस तरह के अध्ययन से पुनर्वास की योजना बनाने में मदद मिलेगी।

चेरनोबिल अपवर्जन क्षेत्र की स्थापना

जोन को तीन जोन में बांटा गया था। ये थे ब्लैक जोन, रेड जोन और ब्लू जोन। ब्लैक जोन वह हिस्सा है जहां से निकाले गए लोग वापस नहीं आएंगे। रेड जोन वह हिस्सा है जहां से निकाले गए लोग विकिरण का स्तर सामान्य होने के बाद वापस लौट सकते हैं। ब्लू जोन वह हिस्सा है जहां से गर्भवती महिलाएं वापस आ सकती हैं। बाद में, 1989 में, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से प्राप्त सहायता से सुरक्षित जीवन की अवधारणा को अपनाया गया।



यूक्रेन युद्ध में चेरनोबिल अनन्य क्षेत्र

2022 में यूक्रेन के आक्रमण के दौरान रूसी सेना द्वारा इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया गया था। यूक्रेन के अनुसार, आक्रमण के बाद विकिरण का स्तर बढ़ गया। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी वर्तमान में संयंत्र तक पहुंच प्राप्त करने में असमर्थ है।

चेरनोबिल परमाणु रिएक्टर आपदा क्या है?

यह 1986 में हुआ था। यह परमाणु रिएक्टर आपदा दो परमाणु दुर्घटनाओं में से एक है जिसे 7 रेटिंग दी गई है। दूसरा जापान में फुकुशिमा परमाणु आपदा है। रेटिंग अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के अंतर्राष्ट्रीय परमाणु घटना पैमाने द्वारा प्रदान की जाती है। परमाणु दुर्घटना के उच्चतम स्तर को 7 और निम्नतम स्तर को 0 दर्जा दिया गया है।

स्वामी निवेश कोष क्या है?

SWAMIH Investment Fund एक सामाजिक प्रभाव कोष है जिसे रुकी हुई, ब्राउनफील्ड और RERA-पंजीकृत आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए ऋण वित्तपोषण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्टेट बैंक समूह की कंपनी SBICAP वेंचर्स लिमिटेड द्वारा प्रबंधित, फंड केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है। इसे 2019 में लॉन्च किया गया था।

SWAMIH को व्यथित परियोजनाओं के लिए अंतिम उपाय का ऋणदाता माना जाता है, जिसमें मुकदमेबाजी के मुद्दे या परेशान इतिहास शामिल हैं। फंड ने लगभग 12,000 करोड़ रुपये की लगभग 130 परियोजनाओं को अंतिम स्वीकृति प्रदान की है और अब तक 15,530 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसने 20,557 घरों को पूरा किया है और अगले तीन वर्षों में 30 टियर 1 और 2 शहरों में 81,000 से अधिक घरों को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। SWAMIH का उपयोग करके पूरी की गई सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक मुंबई में रिवाली पार्क आवासीय परियोजना है। रुपये से अधिक की तरलता को अनलॉक करके फंड ने रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में सहायक उद्योगों के विकास में योगदान दिया है। 35,000 करोड़।

स्वामी निवेश कोष क्या है?

रुकी हुई परियोजनाओं और गैर-निष्पादित संपत्तियों वाले स्थापित डेवलपर्स की पहचान की जाती है। फंड इन परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसमें ऐसी परियोजनाएँ शामिल हैं जो मुकदमेबाजी के मुद्दों का सामना कर रही हैं और वे परियोजनाएँ भी हैं जो ग्राहकों की शिकायतों का सामना कर रही हैं।

SWAMIH Investment Fun कैसे काम करता है?

यह एक परियोजना को पूरा करने के लिए पूंजी प्रदान करता है। वित्तीय सहायता गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के रूप में प्रदान की जाती है। गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर ऐसे उपकरण हैं जिनके साथ कॉर्पोरेट और अन्य निजी संस्थाएँ धन जुटा सकती हैं। मुख्य मानदंड यह है कि निधि का उपयोग केवल उन परियोजनाओं द्वारा किया जाएगा जो रेरा पंजीकृत हैं।

महत्वपूर्ण बिंदु:

- चुनाव आयोग 'समावेशी चुनाव और चुनाव अखंडता' विषय पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा।
- 'मिडिल ईस्ट एनर्जी 2023' में भारत का पवेलियन बिजली के उपकरण और अन्य बिजली के उपकरणों को प्रदर्शित करता है।
- सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने महिला दिवस के अवसर पर 'महिला अधिकारिता' विषय पर एक मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।
- राज्यपाल आर.एन. रवि ने ऑनलाइन जुए पर प्रतिबंध लगाने वाले तमिलनाडु के ऑनलाइन जुआ और ऑनलाइन गेम के विनियमन विधेयक को वापस कर दिया।



- भारतीय नौसेना का प्रमुख परिचालन स्तर का अभ्यास TROPEX 2023, IOR के विस्तार में आयोजित अरब सागर में संपन्न हुआ।
- सरकार का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 क्रिप्टोकॉर्सेसी या वर्चुअल एसेट्स में व्यापार पर लागू होगा।
- केंद्र ने नेफेड, एनसीसीएफ को लाल प्याज की खरीद के लिए बाजार में तत्काल हस्तक्षेप करने का निर्देश दिया।
- महाराष्ट्र आर्थिक सर्वेक्षण में राज्य में 6.8% की वृद्धि का खुलासा; कृषि और संबद्ध क्षेत्र में 10.2 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि का अनुमान लगाया गया था।
- सेबी: निवेशकों को 31 मार्च तक पैन को आधार से लिंक कराना होगा
- कोलंबिया ने 25 वर्षों में पहली बार महिलाओं के लिए सैन्य सेवा खोली है।
- अरुण सुब्रमण्यन न्यूयॉर्क में मैनहट्टन फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज बनने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बने
- बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक विस्फोट में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए
- ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री एंथनी अल्बनीस दो दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे।
- संयुक्त राष्ट्र: अफगानिस्तान महिलाओं के लिए दुनिया का सबसे दमनकारी देश है।
- BWF जर्मन ओपन: भारत के लक्ष्य सेन और तस्नीम मीर पहले दौर में हारे

प्रतिपूरक वनीकरण क्या है?

प्रतिपूरक वनीकरण भारत में लागू किया गया एक कार्यक्रम है जो यह सुनिश्चित करता है कि गैर-वन उद्देश्यों के लिए वन भूमि का परिवर्तन, जैसे कि औद्योगिक या बुनियादी ढाँचे के विकास, भूमि के बराबर क्षेत्र पर वनीकरण के साथ हो। इस कार्यक्रम के तहत, परियोजना डेवलपर्स को नई भूमि पर वनीकरण गतिविधियों को निधि देने की आवश्यकता होती है, और वनों के शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) को साफ करने के लिए भी भुगतान करना होता है। हो सकता है कि नई वन भूमि तुरंत उन वस्तुओं और सेवाओं की श्रेणी प्रदान न करे जो कि डायवर्ट किए गए वन प्रदान कर रहे थे। हालांकि, यह कार्यक्रम सुनिश्चित करता है कि भूमि के नए पार्सल वनों के रूप में विकास के लिए निर्धारित किए गए हैं, जो देश के वन आवरण में योगदान करते हैं।

मुआवजा वनरोपण समाचारों में क्यों है?

क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMP) के अनुसार, 2017 और 2022 के बीच अनिवार्य वनीकरण के लिए केंद्र सरकार द्वारा आवंटित धन का 45 प्रतिशत केरल द्वारा उपयोग नहीं किया गया है। राज्य सरकार का हर साल पौधरोपण का लक्ष्य भी पूरा नहीं हो पाया है। हाल ही में, पर्यावरण मंत्रालय ने एसीए या मान्यता प्राप्त प्रतिपूरक वनीकरण को बढ़ावा देने का फैसला किया है जो एक सक्रिय वनीकरण प्रणाली है। इस प्रणाली में वन संरक्षण अधिनियम 1980 की धारा 2 के तहत पूर्व अनुमति प्राप्त करने के लिए गैर वन भूमि का अग्रिम रूप से वनीकरण किया जा सकता है।

वैश्विक स्तर पर मुआवजा वनीकरण

ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार, 2001 और 2018 के बीच प्रतिपूरक वनीकरण में 5.4% की वृद्धि हुई। दुर्भाग्य से, वृद्धि वनों की कटाई के कारण हुई। इस अवधारणा की शुरुआत चीन में 1999 में हुई थी। यह यूएसए, ऑस्ट्रेलिया और यूके में भी मौजूद है।

भारत मुआवजा वनीकरण को अपनाने वाला पहला देश था

विश्व में क्षतिपूर्ति वनरोपण की अवधारणा भारत में प्रारंभ हुई। भारत ने 1980 के अपने वन संरक्षण अधिनियम के माध्यम से अवधारणा शुरू की। देश का सर्वोच्च न्यायालय अधिनियम के प्रावधानों से असंतुष्ट था। इसी वजह से 2002 में CAMP बनाया गया था।

वन नेशन, वन चालान इनिशिएटिव क्या है?

वन नेशन, वन चालान पहल का उद्देश्य ट्रैफिक पुलिस और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) जैसी सभी संबंधित एजेंसियों को ट्रैफिक जुर्माना और डेटा ट्रांसफर के निर्बाध संग्रह के लिए एक मंच पर एकीकृत करना है।

वन नेशन वन चालान पहल खबरों में क्यों है?

हाल ही में, गुजरात की राज्य सरकार ने एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय को बताया कि वह वर्चुअल ट्रैफिक अदालतों की स्थापना की मांग कर रही थी और वह पहले से ही 'वन नेशन वन चालान' पहल के तहत इन अदालतों की स्थापना की प्रक्रिया में है।

वन नेशन वन चालान पहल क्या है?

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा शुरू की गई वन नेशन, वन चालान पहल, एक ऐसी प्रणाली बनाने का प्रयास करती है जो सीसीटीवी नेटवर्क के माध्यम से यातायात उल्लंघन का पता लगा सके और संबंधित जुर्माना राशि के साथ ई-चालान उत्पन्न कर सके, जो जुड़े हुए मोबाइल नंबर पर भेजे जाते हैं। गलत वाहन के साथ। यह वाहन और सारथी जैसे ऐप्स से डेटा को एकीकृत करना है। यह वर्चुअल ट्रैफिक कोर्ट बनाने का भी प्रयास करता है जो अदालतों में वादियों की उपस्थिति को समाप्त करता है।

पहल में वाहन और सारथी ऐप्स की भूमिका

सड़क परिवहन मंत्रालय आरटीओ और यातायात पुलिस जैसी सभी एजेंसियों को एक मंच पर लाने की योजना बना रहा है। इससे चालान के आसान संग्रह में मदद मिलेगी। एकीकृत प्रणाली जानकारी प्राप्त करने के लिए वाहन और सारथी जैसे अनुप्रयोगों का उपयोग करेगी।

वाहन ऐप आरटीओ की सहायता के लिए राष्ट्रीय परिवहन परियोजना के तहत बनाया गया था in वाहन पंजीकरण, कराधान, परमिट, और प्रवर्तन। सारथी ऐप डिजिटल इंडिया के तहत बनाया गया है। यह ऐप लोगों को लाइसेंस से जुड़े काम को डिजिटल तरीके से पूरा करने में मदद करता है।

व्हिस्की कवक क्या है?

व्हिस्की फंगस, जिसे बाउडोइनिया कॉम्प्लेन्यासेन्सिस के नाम से भी जाना जाता है, एक काला, साँवला फंगस है जो दुनिया भर में बेकरी और डिस्टिलरी के आसपास बढ़ता है। यह कवक मादक वाष्पों पर पनपता है जो परिपक्वता के दौरान व्हिस्की के पीपों से वाष्पित हो जाता है। आमतौर पर, स्पिरिट का एक छोटा हिस्सा (2%/वर्ष तक) वायुमंडल में वाष्पित हो जाता है और इसे 'फ्रिश्ते का हिस्सा' कहा जाता है। यह इस देवदूत के हिस्से में है कि ये कवक पनपते हैं। यह कारों, घरों और पेड़ों सहित बाहरी सतहों को कवर करता है, जो संपत्तियों के मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। हालांकि अनुसंधान ने कवक के संपर्क में आने से कोई स्वास्थ्य जोखिम नहीं दिखाया है, यह पेड़ों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचा सकता है। प्रभावित सतहों से फंगस को साफ करना एक कठिन और महंगा काम हो सकता है क्योंकि वे मोटी परत बनाते हैं।

यह काले रंग का होता है। कवक पेड़ की छाल और पत्तियों में आम है। यह पौधों को नुकसान नहीं पहुंचाता और आमतौर पर नई पत्तियों पर विकसित होता है। यह डिस्टिलरीज और स्पिरिट परिपक्वता सुविधाओं में आम है। कवक एक पवित्र कवक है। थैली कवक की प्रजनन विशेषता है।

व्हिस्की फंगस और शराब के बीच क्या संबंध है?



कवक अपने कार्बन पोषण को इथेनॉल से प्राप्त करता है। इथेनॉल कवक के विकास को तेज करता है। इसके अलावा, यह इसके बीजाणु अंकुरण को उत्तेजित करता है। इथेनॉल कवक को तेज गर्मी से सुरक्षित रहने में भी मदद करता है। कवक इथेनॉल वाष्प का उपयोग करके एक मोटी दीवार बनाता है। दीवार फंगस को अत्यधिक गर्मी से बचाती है।

व्हिस्की फंगस खबरों में क्यों है?

टेनेसी में लिंकन काउंटी की एक स्थानीय अदालत ने दुनिया में अमेरिकी व्हिस्की के सबसे अधिक बिकने वाले ब्रांड जैक डेनियल के लिए एक नए बैरल गोदाम के निर्माण को रोक दिया। यह आदेश एक निवासी द्वारा व्हिस्की फंगस के बेकाबू प्रसार के कारण कंपनी पर मुकदमा दायर करने के बाद आया। लिंकन काउंटी अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में स्थित है।

मिशन हर पेमेंट डिजिटल क्या है?

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने प्रत्येक भारतीय को डिजिटल भुगतान का उपयोगकर्ता बनाने के अपने प्रयासों के तहत "हर भुगतान डिजिटल" नामक एक नया मिशन शुरू किया है। यह पहल डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह के दौरान शुरू की गई थी और इसका उद्देश्य नए उपयोगकर्ताओं को शामिल करते हुए डिजिटल भुगतान की आसानी और सुविधा को सुदृढ़ करना है। साथ ही, केंद्रीय बैंक ने 75 गांवों को गोद लेने और उन्हें डिजिटल भुगतान-सक्षम गांवों में बदलने की पहल शुरू की है। इन गांवों को भुगतान प्रणाली संचालकों द्वारा गोद लिया जाना है।

मिशन हर पेमेंट डिजिटल के प्रवर्तक कौन हैं?

बैंक और भुगतान प्रणाली संचालक हर भुगतान डिजिटल अभियान को बढ़ावा देंगे और उपलब्ध विभिन्न भुगतान चैनलों को उजागर करेंगे। आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय इस पहल के हिस्से के रूप में जनभागीदारी गतिविधियों के माध्यम से डिजिटल भुगतान की स्वीकृति और उपयोग को भी बढ़ावा देंगे।

मिशन हर पेमेंट डिजिटल कब लॉन्च किया गया था?

"डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह" के दौरान। आरबीआई द्वारा 6 मार्च, 2023 और 12 मार्च, 2023 के बीच सप्ताह मनाया गया। उत्सव का मुख्य उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को डिजिटल भुगतान का उपयोगकर्ता बनाना है। 2023 डिजिटल पेमेंट अवेयरनेस वीक की थीम थी "डिजिटल पेमेंट अपनाएं और दूसरों को भी सिखाएं"।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड क्या हैं?

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड दुनिया के सबसे भारी उड़ने वाले पक्षियों में से एक है। यह भारतीय उपमहाद्वीप का मूल निवासी है। निवास स्थान के नुकसान, शिकार और अन्य मानवीय गतिविधियों के कारण प्रजाति गंभीर रूप से संकटग्रस्त है। पक्षी की सुरक्षा और इसे विलुप्त होने से बचाने के लिए संरक्षण के प्रयास चल रहे हैं। इनमें जागरूकता बढ़ाने के लिए आवास बहाली, बंदी प्रजनन और शिक्षा अभियान शामिल हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड खबरों में क्यों हैं?

सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड एरिया में इलेक्ट्रिक लाइन्स का निर्माण) विनियम, 2023 हाल ही में सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी द्वारा जारी किया गया था, जिसमें 33 kV और उससे नीचे की सभी इलेक्ट्रिक लाइनों को ग्रेट इंडियन बस्टर्ड एरिया से गुजरने वाली और 33 से ऊपर की लाइनों को भूमिगत करने के लिए जारी किया गया था। केवी बर्ड फ्लाइट डायवर्ट के साथ ओवरहेड लाइनें होंगी। हालांकि, याचिकाकर्ता दावा कर रहे हैं कि ये नियम इस लुप्तप्राय प्रजाति को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सीधा उल्लंघन है। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि प्रजातियों के आवास से गुजरने वाली सभी बिजली लाइनें भूमिगत होनी चाहिए।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड विद्युत लाइनों से कैसे प्रभावित होते हैं?





AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

Where tradition meets innovation

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड सबसे भारी उड़ने वाले पक्षी हैं। इनका वजन लगभग 15 किलोग्राम होता है और यह 1.2 मीटर की ऊंचाई तक बढ़ते हैं। उनके शरीर का आकार विद्युत लाइनों को नोटिस करना मुश्किल बनाता है। उनके पास सामने की दृष्टि है और इसलिए वे इन विद्युत लाइनों से टकराने के कारण मर रहे हैं। केवल 150 पक्षी बचे हैं।

भारत में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड कहाँ हैं?

आज अंतिम शेष 150 ग्रेट इंडियन बस्टर्ड थार रेगिस्तान और कच्छ रेगिस्तान में हैं। केंद्र इन क्षेत्रों में 39,000 मेगावाट की सौर परियोजनाओं को विकसित करने की योजना बना रहा है। ओवरहेड लाइन इसी काम के लिए हैं। लेकिन पर्यावरण द्वारा उठाई गई चिंताओं के कारण SC ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में लो-वोल्टेज बिजली लाइनों का आदेश दिया जहाँ पक्षी रह रहे हैं।

वर्म मून क्या है?

सर्दियों के मौसम का अंतिम पूर्णिमा, जिसे वर्म मून कहा जाता है, 6 और 7 मार्च को दिखाई देता था। प्रत्येक वर्ष, समय फरवरी के अंत से मार्च के अंत तक भिन्न होता है। इस पूर्णिमा का नाम उस समय से लिया गया है जब यह वर्ष में दिखाई देता है जब उत्तरी गोलार्ध में सर्दियाँ कम हो जाती हैं, जिससे मिट्टी के नरम होने पर केंचुए जमीन से निकलते हैं।

वर्म मून का मौसम की घटनाओं से जुड़ाव

उस समय के दौरान होने वाली मौसम की घटनाओं के बाद जनजातियों ने प्रत्येक पूर्णिमा का नामकरण किया। मार्च की पूर्णिमा को सैप मून के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह तब होता है जब चीनी मेपल का रस बहने लगता है, और कौआ, पपड़ी और चीनी चंद्रमा के रूप में।

राष्ट्रीय फार्मसी शिक्षा दिवस 2023

भारत में फार्मसी शिक्षा की स्थापना करने वाले प्रोफेसर महादेव लाल श्रॉफ की जयंती के उपलक्ष्य में 6 मार्च को राष्ट्रीय फार्मसी शिक्षा दिवस मनाया गया। यह दिन फार्मसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) द्वारा नामित किया गया था - स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय, जो भारत में फार्मसी शिक्षा और अभ्यास को विनियमित करता है।

राष्ट्रीय फार्मसी शिक्षा दिवस 2023

इस अवसर पर, केंद्रीय राज्य मंत्री (एचएफडब्ल्यू) डॉ. भारती प्रवीण पवार ने फार्मा अन्वेषण 2023 नामक एक मंच का उद्घाटन किया, जहाँ शैक्षणिक अनुसंधान और उद्योग समाज के लाभ के लिए अपने निष्कर्षों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने 'वन स्टॉप-नॉन स्टॉप' नामक डिजिटल जॉब पोर्टल भी लॉन्च किया। पीसीआई और कई फार्मा निकायों के बीच उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने, प्रशिक्षण (संकाय और छात्रों दोनों के) को बढ़ावा देने, उद्योगिता को बढ़ावा देने और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।

राष्ट्रीय फार्मसी शिक्षा दिवस पर शुरू की गई पहल का उद्देश्य

Pharma Anveshan 2023: इसे अनुसंधान, और नवाचार को बढ़ावा देने और उद्योग और शिक्षा को बढ़ाने के लिए लॉन्च किया गया था वन स्टॉप - नॉन-स्टॉप डिजिटल पोर्टल: कस्बों और गांवों से आने वाले छात्रों की मदद के लिए। पोर्टल मुख्य रूप से देश में नौकरी के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा

कौन थे महादेव लाल श्रॉफ?

महादेव लाल श्रॉफ भारतीय फार्मसी शिक्षा के जनक हैं। उनका जन्म 1902 में बिहार के दरभंगा में हुआ था। वे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग कॉलेज के स्नातक थे। अपनी इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद वे चीन, जापान और अमरीका गए। इसके बाद उन्होंने





AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

Where tradition meets innovation

यूएसए में एमआईटी से रसायन विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी और रसायन विज्ञान में पीजी की डिग्री हासिल की। 1935 में, उन्होंने यूनाइटेड प्रोविंस ऑफ फार्मा एसोसिएशन की स्थापना की। वह इंडियन जर्नल ऑफ फार्मसी के संपादक थे। उन्होंने भाईशाज पत्रिका, भेषजयन और भारतीय फार्मास्युटिकल कांग्रेस की स्थापना की। वह स्टेट फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष थे और फार्मसी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष भी थे। उन्हें सम्मानित करने के लिए आईपीए ने "फादर ऑफ फार्मसी अवार्ड" की स्थापना की।

ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस मॉनिटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस मॉनिटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर पेश किया है, जिसका उद्देश्य ग्रीनहाउस गैसों के मानकीकृत और वास्तविक समय पर नज़र रखना है। नया मंच ग्रह-वार्मिंग प्रदूषण के मापन में सुधार करने और नीतिगत निर्णयों को सूचित करने के लिए अंतरिक्ष-आधारित और सतह-आधारित अवलोकन प्रणालियों को एकीकृत करता है। इस प्लेटफॉर्म द्वारा प्रदान किया जाने वाला डेटा तेज़ और स्पष्ट होगा।

ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस मॉनिटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर क्या है?

ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस मॉनिटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर इस बारे में अनिश्चितताओं को स्पष्ट करना चाहता है कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कहाँ समाप्त होता है और ग्रह के वातावरण में परिवर्तनों पर तेज़ और अधिक सटीक डेटा प्रदान करता है। जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते को लागू करने के लिए बुनियादी ढांचे से आवश्यक जानकारी और समर्थन प्रदान करने की उम्मीद है।

कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड और मीथेन ग्लोबल वार्मिंग का 66% हिस्सा हैं। बढ़ते उत्सर्जन और असफल लक्ष्यों के साथ, विश्व सरकारों को नई योजनाओं और नीतियों को अपनाना होगा। उदाहरण के लिए, 1.5 डिग्री पेरिस समझौते का लक्ष्य देशों द्वारा हासिल नहीं किया जा सकता है। इसलिए, सरकारों को नए लक्ष्यों और नीतियों को लाना होगा और अधिक तेज़ी से कार्य करना होगा। ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस मॉनिटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर उन्हें इसे हासिल करने में मदद करेगा।

आईएनएस विक्रांत क्या है?

आईएनएस विक्रांत वर्तमान में भारतीय नौसेना द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक विमानवाहक पोत है। यह केरल में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी रूप से निर्मित होने वाला पहला वाहक है। पोत का नाम भारत के पहले विमानवाहक पोत, INS विक्रांत (1961) के नाम पर रखा गया है, और इसका नाम "साहसी" के लिए संस्कृत शब्द से लिया गया है। जहाज का आदर्श वाक्य भी संस्कृत में है, जिसका मोटे तौर पर अनुवाद "मैं उन लोगों को हराता हूँ जो मेरे खिलाफ लड़ते हैं।"

आईएनएस विक्रांत खबरों में क्यों है?

नौसेना कमांडरों के सम्मेलन-2023 का उद्घाटन संस्करण आईएनएस विक्रांत पर आयोजित किया जा रहा है। यह अधिकारियों को सैन्य-रणनीतिक स्तरों पर प्रमुख सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा करने और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

भारतीय नौसेना भारत-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए 2 विमान वाहक, आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य को मानसून के बाद युद्ध के लिए तैयार करने के लिए दौड़ रही है।

आईएनएस विक्रांत क्या है?

आईएनएस विक्रांत एक विमानवाहक पोत है जो चार सामान्य विद्युत इंजनों और दो गैस टर्बाइन इंजनों द्वारा संचालित है। इसे 2022 में कमीशन किया गया था। यह 26 MIG-29K या 26 राफेल फाइटर जेट ले जा सकता है। इसके अलावा, कैरियर 2 ध्रुव हेलीकॉप्टर या 4 MH-60R हेलीकॉप्टर ले सकता है।





AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

Where tradition meets innovation

युवा उत्सव भारत @2047

युवा मामलों के मंत्रालय ने भारत के सभी जिलों में 'युवा उत्सव इंडिया @2047' नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया है। यह आयोजन मार्च से जून 2023 तक होगा और इसके तीन स्तर होंगे।

युवा उत्सव भारत के लाभ

युवा उत्सव भारत उत्सव के तीन अलग-अलग स्तर क्या हैं?

युवा उत्सव इंडिया @2047 का पहला स्तर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम होगा। यह 4 से 31 मार्च 2023 तक 150 जिलों में होगा। इस आयोजन का उद्देश्य भारत में युवाओं की शक्ति का जश्न मनाना और युवाओं को देश के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

युवा उत्सव भारत कहाँ आयोजित किया जाता है?

अखिल भारतीय कार्यक्रम कई स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है- यूपी में प्रतापगढ़, मध्य प्रदेश में धार और होशंगाबाद, राजस्थान में हनुमानगढ़, झारखंड में सरायकेला, महाराष्ट्र में जलगाँव, तेलंगाना में करीमनगर और केरल में पलक्कड़। यह 3-स्तरीय प्रारूप में आयोजित किया जाता है। पहला चरण स्कूलों और कॉलेजों द्वारा आयोजित किया जाता है।

युवा उत्सव भारत महोत्सव का आयोजन कौन कर रहा है?

नेहरू युवा केंद्र संगठन। यह युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत काम करता है। इसकी स्थापना 1972 में हुई थी। एनवाईकेएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में शामिल करना है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को विकास प्रक्रियाओं की ओर खींचता है।

देश में बढ़ती अपराध दर के साथ, युवाओं को उपयोगी विकासात्मक गतिविधियों की ओर मोड़ना आवश्यक है। एनसीआरबी के अनुसार, देश में कुल अपराध दर कम होने के बावजूद युवा अपराध दर में 4.7% की वृद्धि हुई है। युवा उत्सव उत्सव युवा आबादी को विकासात्मक गतिविधियों की ओर मोड़कर अपराध दर को कम करने में भारत की मदद करेगा।

पांचवां आसियान-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन

5वां आसियान-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन इस साल 6 मार्च को कुआलालंपुर के बर्जया टाइम्स स्क्वायर होटल में आयोजित किया गया था। शिखर सम्मेलन, आसियान-भारत मित्रता वर्ष का हिस्सा (10-सदस्यीय ब्लॉक और भारत के बीच 30 साल की लंबी सगाई की याद में एक अवलोकन), व्यापार और आर्थिक जुड़ाव के लिए भविष्य के रोडमैप को तैयार करने के लिए एक आवश्यक मंच है। दो पक्षों। यह विदेश मंत्रालय के आर्थिक कूटनीति प्रभाग और मलेशियाई सरकार के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और उद्योग मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार की सहायता से आयोजित किया गया था।

5वें आसियान-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया

5वें आसियान-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन में भारत-मलेशिया

शिखर सम्मेलन के दौरान भारत-मलेशिया द्विपक्षीय व्यापार और निवेश जुड़ाव पर केंद्रित एक विशेष सत्र आयोजित किया गया था। सत्र अन्य क्षेत्रों के बीच व्यापार संबंधों में सुधार और डिजिटल प्रौद्योगिकी साझेदारी और फिनटेक में व्यापार जुड़ाव का विस्तार करने पर केंद्रित था।

5वें आसियान-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन की मुख्य विशेषताएं क्या थीं?



डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षेत्र प्रमुख फोकस थे। आने वाले दिनों में आईटी कंपनियों पर फोकस करना है। देशों ने फैसला किया कि भविष्य में भारत और आसियान देशों के बीच रीयल-टाइम भुगतान लिंकेज को बढ़ाया जाएगा।

पृष्ठभूमि

भारत अब तक आसियान क्षेत्र में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, तकनीकी उन्नति और खुली प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

5वां आसियान-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन "स्ट्रेथनिंग एंड मूविंग फॉरवर्ड आसियान-इंडिया इकोनॉमिक रिलेशंस फॉर द स्ट्रैटेजिक बिजनेस पार्टनरशिप" विषय के तहत आयोजित किया गया था।

5वें आसियान-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया

भारत आसियान देशों में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में कई निवेश कर रहा है। भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस ने 260 मिलियन उपयोगकर्ताओं के जीवन को बदल दिया है। आसियान की डिजिटल दुनिया को विकसित करने के देश के प्रयासों के कारण हर दिन 8 मिलियन से अधिक डिजिटल लेनदेन किए जा रहे हैं। इंडिया स्टैक ने आसियान दुनिया में डिजिटल बुनियादी ढांचे को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निसार मिशन क्या है?

निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) मिशन नासा और इसरो के बीच एक सहयोगी परियोजना है जिसका उद्देश्य दोहरी आवृत्ति सिंथेटिक एपर्चर रडार से लैस पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का निर्माण और लॉन्च करना है। विशेष रूप से, उपग्रह नासा मिशन में लॉन्च किए जाने वाले अब तक के सबसे उन्नत रडार सिस्टम को वहन करता है। इसमें अपने प्रकार का सबसे बड़ा रडार एंटीना भी है। उपग्रह अपनी तरह का पहला होगा और इसका उपयोग अंटार्कटिक क्रायोस्फीयर जैसी पृथ्वी पर प्राकृतिक घटनाओं को दूर से देखने के लिए किया जाएगा। लगभग 1.5 बिलियन अमरीकी डालर की कुल लागत के साथ NISAR सबसे महंगा पृथ्वी-इमेजिंग उपग्रह होने की उम्मीद है।

निसार मिशन का उद्देश्य क्या है?

मिशन पृथ्वी की सतह पर ऊंचाई का नक्शा बनाएगा। यह मुख्य रूप से बर्फ के द्रव्यमान पर केंद्रित होगा। महीने में चार से छह बार मैपिंग करनी होती है। मैपिंग का रिज़ॉल्यूशन 5m से 10m की सीमा में होना है। इसके साथ ही मिशन बर्फ की चादर गिरने, भूस्खलन आदि के बारे में ब्योरा देगा।

निसार मिशन के संचालक और निर्माता

निर्माता इसरो है और संचालक नासा है। मिशन की अवधि 3 वर्ष है। इसरो द्वारा इसे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। मिशन रडार इमेजिंग के सिद्धांत का उपयोग करता है। एनआईएसएआर मिशन में उपयोग किए जाने वाले इमेजिंग रडार जाल प्रकार के हैं और विशाल हैं। कृपया छवि में मेश रडार के आकार पर ध्यान दें।

निसार मिशन में प्रयुक्त रडार इमेजिंग क्या है?

रडार इमेजिंग फ्लैश कैमरे की तरह ही काम करता है। यह अपना प्रकाश स्वयं बनाता है। वस्तु से परावर्तन के आधार पर यह वस्तु का प्रतिबिम्ब बनाता है। फ्लैश कैमरा प्रकाश भेजता है। रडार रेडियो तरंगें भेजेगी।

निसार मिशन में एल-बैंड एसएआर क्या है?

सैटेलाइट में दो राडार हैं। वे एल-बैंड एसएआर और एस-बैंड एसएआर हैं। एल-बैंड एसएआर का निर्माण नासा द्वारा किया जाना है। और एस-बैंड एसएआर का निर्माण इसरो द्वारा किया जाएगा।

एल-बैंड एसएआर रडार एंटेना की गति के आधार पर 2-आयामी छवियां बनाएगा। इस कारण से, छवियां बेहतर रिज़ॉल्यूशन वाली होती हैं।

निसार मिशन खबरों में क्यों है?

अमेरिकी वायु सेना ने हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) को NISAR उपग्रह सौंपा। उपग्रह को 2024 में आंध्र प्रदेश के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

एक वायुमंडलीय नदी क्या है?

एक वायुमंडलीय नदी वायुमंडल में एक संकीर्ण और लम्बी क्षेत्र है जो उष्ण कटिबंध के बाहर पर्याप्त मात्रा में जल वाष्प का वहन करती है। शोधकर्ताओं ने पहली बार 1990 के दशक में 'वायुमंडलीय नदी' शब्द गढ़ा था। इसे ट्रॉपिकल प्लम, ट्रॉपिकल कनेक्शन, नमी प्लम, जल वाष्प वृद्धि और क्लाउड बैंड के रूप में भी जाना जाता है।

खबरों में क्यों?

वायुमंडलीय नदियाँ हजारों किलोमीटर लंबी हो सकती हैं और मिसिसिपी नदी के मुहाने पर पानी के औसत प्रवाह के बराबर जल वाष्प का परिवहन कर सकती हैं। पाइनएप्पल एक्सप्रेस एक उदाहरण है। यह नमी को प्रशांत क्षेत्र से संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा तक ले जाती है। कैलिफोर्निया वर्तमान में वायुमंडलीय नदियों के आगमन के लिए तैयारी कर रहा है, जिससे भारी बारिश, बाढ़ और भारी हिमपात होने की उम्मीद है।

वैज्ञानिक वायुमंडलीय नदियों की पहचान कैसे करते हैं?

वैज्ञानिक 2,000 किमी लंबे कॉरिडोर की तलाश कर रहे हैं। गलियारों का मतलब है कि इस क्षेत्र में रंग, तापमान, नमी की मात्रा और अन्य पहलुओं के मामले में वातावरण लगभग समान है। वायुमंडलीय नदियों के ठीक नीचे समुद्र की हवा की गति भिन्न होती है। तो समुद्री बर्फ के आवरण और वर्षा की तीव्रता हैं।

वायुमंडलीय नदियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव क्या हैं?

वातावरण की अधिक से अधिक नमी धारण करने की क्षमता बढ़ रही है। यह बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हवा अधिक पानी धारण कर सकती है। इसलिए वायुमंडलीय नदियाँ अधिक तीव्र (या हिंसक) होती जा रही हैं। वे लंबे और चौड़े हो रहे हैं।

वायुमंडलीय नदियाँ एक समस्या क्यों हैं?

शुष्क परिस्थितियों में, वायुमंडलीय नदियाँ जंगल की आग बुझाती हैं और जंगलों को बचाती हैं। लेकिन सर्दियों और बरसात के मौसम के दौरान, वे बाढ़ और भूस्खलन के कारण वर्षा में शामिल हो जाते हैं। 40 से अधिक वायुमंडलीय नदियाँ प्रशांत तट से टकरा गई हैं। उन्होंने अब तक ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाया है। लेकिन! हाल के दिनों में, ऑस्ट्रेलियाई तटों से टकराने वाली वायुमंडलीय नदियाँ गंभीर क्षति पहुंचा रही हैं।

नोट: वायुमंडलीय नदियाँ उष्ण कटिबंध में नहीं होती हैं। वे उष्णकटिबंधीय से परे होते हैं

चंद्रमा का समय क्षेत्र क्या है?



एक सार्वभौमिक टाइमकीपिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए मून टाइम ज़ोन प्रस्तावित किया गया है जो विभिन्न चंद्र मिशनों के बीच संचार और समन्वय को सरल करेगा। प्रस्ताव विभिन्न देशों और संस्थाओं द्वारा नियोजित और लॉन्च किए जा रहे चंद्र मिशनों की बढ़ती संख्या के जवाब में आया है- जापान के एम 1 चंद्र लैंडर और ह्यूस्टन स्थित सहज मशीनों के नोवा-सी लैंडर सहित कुछ आगामी मिशनों के साथ। इसके निर्माण से भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषणों में मदद मिलेगी, जिसमें मंगल ग्रह का समय क्षेत्र स्थापित करने की संभावना भी शामिल है।

मून टाइम ज़ोन समाचारों में क्यों है?

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने हाल ही में चंद्र समय क्षेत्र की आवश्यकता का प्रस्ताव दिया है। इसने इसे स्थापित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समन्वय और आम सहमति का आह्वान किया है। वें में से एकजिन प्रश्नों को हल करने की आवश्यकता है वह यह है कि क्या चंद्र समय को चंद्रमा पर निर्धारित किया जाना चाहिए या पृथ्वी के साथ सिंक्रनाइज़ किया जाना चाहिए।

चंद्रमा का समय क्षेत्र क्या है?

पृथ्वी के जीएमटी की तरह जिसमें 24 अलग-अलग समय क्षेत्र हैं, चंद्रमा का समय क्षेत्र इस समय की जरूरत है। पृथ्वी समय क्षेत्र को 24 में विभाजित किया गया है। पृथ्वी के क्रमिक क्षेत्रों के बीच का अंतर एक घंटे का है और प्रत्येक समय क्षेत्र 15 डिग्री चौड़ा है। शून्य समय क्षेत्र ग्रीनविच मेरिडियन से शुरू होता है। इसी तरह, चंद्रमा के घूर्णन और परिक्रमण के आधार पर चंद्रमा के लिए एक समय क्षेत्र बनाया जाना चाहिए। इसे मून टाइम ज़ोन कहा जाता है।

मून टाइम ज़ोन कैसे स्थापित करें?

मून टाइम ज़ोन कॉन्सेप्ट की शुरुआत करने वाली यूरोपियन स्पेस एजेंसी का कहना है कि मून टाइम ज़ोन को दो तरह से स्थापित किया जाएगा। एक तो केवल चंद्रमा की परिक्रमा के आधार पर समय निर्धारित करना है। दूसरा तरीका पृथ्वी के साथ इसके समय को सिंक्रनाइज़ करना है। उदाहरण के लिए, यदि लंदन में समय 12 AM है, तो यह भारत में 5:30 AM है। क्योंकि भारत लंदन से साढ़े पांच घंटे आगे है। इसी प्रकार यदि पृथ्वी पर समय X है तो चंद्रमा पर क्या समय होगा ? आगे या पीछे?

इन्फ्लुएंजा उप-प्रकार H3N2 क्या है?

इन्फ्लुएंजा उप-प्रकार H3N2, जिसे आमतौर पर हांगकांग फ्लू कहा जाता है, पूरे भारत में सांस की बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में वृद्धि कर रहा है। H3N2 सभी गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमणों (SARI) और आउट पेशेंट इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारियों के कम से कम 92 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है। यह अन्य इन्फ्लुएंजा उपप्रकारों की तुलना में अधिक अस्पताल में भर्ती करा रहा है। हाल ही में, इसने 2 मौतें कीं- 1 कर्नाटक में और दूसरी हरियाणा में।

इन्फ्लुएंजा सब-टाइप H3N2 के खिलाफ भारत क्या कर रहा है?

भारत वायरस को "मौसमी इन्फ्लुएंजा" के रूप में देखता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में इसकी स्थिति की निगरानी और ट्रैक करने के लिए आईडीएसपी नेटवर्क में वायरस को शामिल किया था। ICMR ने इन्फ्लुएंजा से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियों पर सलाह जारी की। भारत सरकार मार्च तक मामलों में गिरावट की उम्मीद कर रही है।

साथ ही मरीजों को श्रेणीबद्ध करने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य सरकारों को एच1एन1 मामलों के साथ काम कर रहे स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों को टीका लगाने की सलाह दी है।

इन्फ्लुएंजा उप-प्रकार H3N2 को मौसमी इन्फ्लुएंजा क्यों कहा जाता है?





हर साल, भारत गवाह है मैं इन्फ्लुएंजा ठंड के मौसम के कारण जनवरी से मार्च के महीनों में चरम पर होता है। जैसे ही वातावरण में तापमान कम होता है, मानव शरीर को अपने सामान्य कामकाज के लिए पर्याप्त गर्मी नहीं मिलेगी। पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है और अंततः, प्रतिरक्षा का स्तर गिर जाता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण सामान्य सर्दी और बुखार जैसे इन्फ्लुएंजा के वायरस आसानी से हमला कर सकते हैं। जैसा कि इन्फ्लुएंजा उप-प्रकार H3N2 वायरस कम प्रतिरक्षा के कारण फैल रहा है, भारत सरकार इसे मौसमी इन्फ्लुएंजा के रूप में वर्गीकृत करती है।

इन्फ्लुएंजा उप-प्रकार H3N2 के लक्षण क्या हैं?

H3N2 के लक्षणों में बुखार, खांसी, सांस फूलना, घरघराहट और निमोनिया के नैदानिक लक्षण शामिल हैं। यह वायरस 1968 की महामारी पैदा करने के लिए जिम्मेदार था, जिसके परिणामस्वरूप दस लाख से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इस फ्लू महामारी को 1968 के हांगकांग फ्लू महामारी के रूप में जाना जाता है। यह उसी वर्ष जुलाई में चीन में उत्पन्न हुआ था।

वर्तमान परिदृश्य

एच3एन2 के 10 फीसदी मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत थी। 7% को आईसीयू देखभाल की जरूरत थी। 92% ने बुखार की शिकायत की। 27% ने सांस फूलने की शिकायत की। यदि इलाज शुरू कर दिया जाए तो बीमारी आसानी से ठीक हो सकती है। यदि जल्दी निदान किया जाता है तो अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं होती है।

यशांग महोत्सव क्या है?

लम्दा महीने (फरवरी-मार्च) की पूर्णिमा के दिन पांच दिनों तक मनाया जाने वाला याओसांग मणिपुर के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह त्योहार मैतेई लोगों की स्वदेशी परंपराओं का हिस्सा है। यह हर गांव में सूर्यास्त के ठीक बाद याओसांग मेई थबा (पुआल की झोपड़ी को जलाना) से शुरू होता है।

योशांग या योसांग उत्सव क्या है?

मणिपुरी लोग होली को यशांग उत्सव के रूप में मनाते हैं। यह पर्व पांच दिनों तक मनाया जाता है। यह वसंत की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। उपासक इस दिन भजन और कीर्तन गाते हैं।

यशांग मेई थबा

यह त्योहार के दौरान की जाने वाली एक रस्म है। चैतन्य महाप्रभु 15वीं शताब्दी के संत थे। उन्हें भगवान कृष्ण और देवी राधा का अवतार माना जाता है। यशांग उत्सव के दौरान, भगवान चैतन्य की एक मूर्ति को घास से बनी झोपड़ी जैसी संरचना में रखा जाता है और छह से सात दिनों तक पूजा की जाती है। त्योहार से एक रात पहले, मूर्ति को हटा दिया जाता है और झोपड़ी को जलाकर राख कर दिया जाता है। दहन समारोह को "याओशांग मे थाबा" कहा जाता है। राख को अत्यधिक शुभ माना जाता है। इन राख को सिर पर और मोहल्ले के घरों के सामने छिड़का जाता है।

यशांग उत्सव का संगीत और नृत्य

याओसांग उत्सव का उत्सव हाल ही में शुरू किया गया था। इनमें थबल चोंगबा, पारंपरिक मणिपुरी नृत्य, मुकना कांगजेई (हॉकी और कुश्ती का संयोजन) जैसी खेल प्रतियोगिताएं और पारंपरिक संगीत का एक रूप पाना संकीर्तन जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

योशांग उत्सव कौन मनाता है?

मैती जनजाति। आधुनिक समय के मणिपुरी मेइती जनजाति हैं। वे मैतेई भाषा बोलते हैं। मैती मणिपुर की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है। Meitis म्यांमार और बांग्लादेश में फैले हुए हैं। भारत में, वे असम, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में रहते हैं। मणिपुर की 53% आबादी मैती जनजाति की है।



एमआरएसएम क्या है?

इस साल 7 मार्च को, भारतीय नौसेना ने आईएनएस विशाखापत्तनम, एक फ्रंटलाइन युद्धपोत से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (MRSAM) का सफल परीक्षण किया। सफल परीक्षण-फायरिंग ने हथियार को एंटी-शिप मिसाइल के रूप में उपयोग करने की क्षमता को मान्य किया, जिससे नौसेना की अपनी संपत्ति को विरोधी ताकतों के हमलों से बचाने की तैयारी का प्रदर्शन हुआ। MRSAM को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया था। मिसाइल का उत्पादन भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) में किया गया था। MRSAM तकनीक भारत के स्वदेशी रक्षा उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और इससे रक्षा प्रौद्योगिकी में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ने की उम्मीद है। सेना और वायु सेना मिसाइलों के विभिन्न प्रकारों का उपयोग करती हैं।

एमआरएसएम क्या है?

मिसाइल का इस्तेमाल किसी भी तरह के हवाई खतरे के खिलाफ किया जा सकता है। इसमें हेलीकॉप्टर, लड़ाकू जेट, क्रूज मिसाइल, विमान आदि शामिल हैं। इसे भारत और इजरायल ने संयुक्त रूप से विकसित किया था। यह मध्यम दूरी की मिसाइल है। मतलब मिसाइल की रेंज 1000 किमी से 3000 किमी के बीच है। MRSAM सहित भारत द्वारा विकसित अधिकांश मध्यम दूरी की मिसाइलें थिएटर बैलिस्टिक मिसाइलें हैं। अग्नि, पृथ्वी और शौर्य सभी थिएटर बैलिस्टिक मिसाइल हैं। थिएटर बैलिस्टिक मिसाइल वे मिसाइलें हैं जो किसी लक्ष्य को भेदने के लिए प्रक्षेप्य गति का उपयोग करती हैं और उनकी सीमा 3,500 किमी से कम होती है।

बराक-8 एमआरएसएम का भूमि आधारित विन्यास है।

एमआरएसएम का तकनीकी विवरण

यह एक उच्च-प्रतिक्रिया और लंबवत रूप से लॉन्च की जाने वाली मिसाइल है। इसे मुख्य रूप से हवाई लक्ष्यों के लिए विकसित किया गया था। मिसाइल का वजन 275 किलोग्राम है। यह निकटता फ्यूज का उपयोग करता है। प्रोक्सिमिटी फ्यूज एक प्रकार का फ्यूज है जो लक्ष्य के पास होने पर एक विस्फोटक उपकरण में विस्फोट करता है। यह लक्ष्य की ओर रेडियो तरंगों का उत्सर्जन करता है और लक्ष्य से परावर्तित तरंगों के आधार पर विस्फोट करता है। इसे रडार के जरिए और सीधे कमांड के जरिए भी कंट्रोल किया जा सकता है। मतलब इसे दूर से दूर से भी ऑपरेट किया जा सकता है और नजदीकी दूरी पर मौजूद जहाज से भी।

वीएलटी सर्वे टेलीस्कोप क्या है?

वीएलटी सर्वे टेलीस्कोप (वीएसटी) स्थित हैउतरी चिली के अटाकामा रेगिस्तान में पारानल वेधशाला में और चार वेरी लार्ज टेलीस्कोप (वीएलटी) यूनिट टेलीस्कोप के निकट है। यह सेरो पारानल पर्वत के ऊपर स्थित है। VST अद्वितीय है क्योंकि यह दुनिया का सबसे बड़ा टेलीस्कोप है जिसे विशेष रूप से दृश्य प्रकाश में आकाश का सर्वेक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम इटली के OAC और यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला (ESO) के बीच एक सहयोग है।

वीएलटी सर्वेक्षण टेलीस्कोप समाचारों में क्यों है?

वीएलटी सर्वे टेलीस्कोप ने हाल ही में आईसी 4701 की एक विस्तृत छवि ली है, जो धनु नक्षत्र में पाया गया एक उत्सर्जन नीहारिका है। यह नेबुला, जिसे एलबीएन 55 या एनआरएल 18 के रूप में भी जाना जाता है, की खोज अगस्त 1905 में खगोलशास्त्री एडवर्ड एमर्सन बर्नार्ड ने की थी।

वीएलटी सर्वे टेलीस्कोप का निर्माण किसने किया था?

यह इटली और 16 अन्य यूरोपीय देशों के बीच सहयोग है। इन 16 देशों ने ईएसओ - अर्थ सदरन ऑब्जर्वेटरी का गठन किया जिसने वीएलटी सर्वे टेलीस्कोप बनाने के लिए इटली के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। ईएसओ एक शोध सुविधा है।

क्या वीएलटी सर्वे टेलीस्कोप और वीएलटी टेलीस्कोप एक ही हैं?

वीएलटी सर्वेक्षण टेलीस्कोप वीएलटी टेलीस्कोप का समर्थन करता है। वीएलटी टेलीस्कोप यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला द्वारा संचालित है। लेकिन वीएलटी सर्वे टेलीस्कोप इटली और ईएसओ द्वारा संचालित है।

दोनों टेलिस्कोप अटाकामा रेगिस्तान में स्थित हैं। वीएलटी सर्वेक्षण टेलीस्कोप रात के आसमान के नक्शे बनाता है। यह स्कैन करता है और आकाश के विभिन्न हिस्सों की तस्वीरें लेता है। वीएलटी सर्वेक्षण टेलीस्कोप द्वारा उपलब्ध कराए गए इस डेटा का उपयोग वीएलटी टेलीस्कोप टीम द्वारा अनुसंधान को आगे जारी रखने के लिए किया जाता है।

वीएलटी सर्वेक्षण टेलीस्कोप के कार्य क्या हैं?

यह बहुरंगी इमेजिंग सर्वेक्षण करता है और आकाश में दुर्लभ वस्तुओं की खोज करता है। यह सार्वजनिक सर्वेक्षण परियोजना का एक हिस्सा है। इस परियोजना के तहत किए गए सर्वेक्षणों को पूरा होने में पाँच या अधिक वर्ष लगते हैं और ये व्यापक हैं। आसमान पर सर्वे किया जाता है।

टेलीस्कोप सौर मंडल निकायों, गैलेक्टिक विमानों, आकाशगंगा में होने वाली बातचीत, इंद्रा-क्लस्टर ग्रहीय नेबुला, और अन्य सूक्ष्म-लेंसिंग घटनाओं का अध्ययन करता है।

उच्च समुद्र क्या हैं?

लगभग एक दशक की बातचीत के बाद, देश उच्च समुद्रों पर राष्ट्रीय सीमाओं से परे समुद्री जैव विविधता की रक्षा और निरंतर उपयोग के लिए एक संधि पर एक समझौते पर पहुँचे हैं। यह सफलता न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे क्षेत्रों की समुद्री जैव विविधता पर अंतर सरकारी सम्मेलन (IGC) में 2 सप्ताह की बातचीत के बाद आई है। उच्च समुद्र तटीय देशों के अनन्य आर्थिक क्षेत्रों से 200 समुद्री मील से अधिक दूर स्थित क्षेत्र हैं।

उच्च समुद्र क्या हैं?

संयुक्त राष्ट्र उच्च समुद्रों को "समुद्र के उन हिस्सों के रूप में परिभाषित करता है जिनमें राज्य का आंतरिक जल शामिल नहीं है"। आंतरिक जल प्रादेशिक जल हैं। दूसरे शब्दों में, इन जल का उपयोग एक देश द्वारा किया जाता है। देश इसका उपयोग मछली पकड़ने, तेल ड्रिलिंग आदि जैसे किसी भी उद्देश्य के लिए कर सकता है।

उच्च समुद्रों में क्या शामिल है?

उच्च समुद्रों को ट्रांसबाउंड्री जल या अंतर्राष्ट्रीय जल भी कहा जाता है। इसमें समुद्री पारिस्थितिक तंत्र, ज्वारनदमुख, नदियाँ, क्षेत्रीय समुद्र, भूजल प्रणालियाँ, आर्द्रभूमि आदि शामिल हैं। कोई भी देश उच्च समुद्रों पर संप्रभुता का दावा नहीं करेगा।

उच्च समुद्र पर कन्वेंशन क्या है?

63 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समुद्र में सीमाएँ खींचता है। इसने समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, यानी UNCLOS की स्थापना की। UNCLOS समुद्री गतिविधियों के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करता है।

उच्च समुद्रों पर वर्तमान प्रमुख मुद्दे

आर्कटिक महासागर: उत्तर पश्चिमी मार्ग पर कनाडा का दावा है। यूरोपीय संघ और अमरीका का कहना है कि मार्ग एक अंतरराष्ट्रीय जलडमरूमध्य है

दक्षिणी महासागर: ऑस्ट्रेलिया अंटार्कटिक प्रदेशों के एक हिस्से का दावा करता है। केवल चार देश इसका समर्थन करते हैं। बाकी दुनिया इसके खिलाफ है।

ओकिनोटोरिशिमा: जापान इस आइलेट पर दावा करता है। अन्य पड़ोसी देश इसका विरोध करते हैं।

दक्षिण चीन सागर: चीन इसका पूरा दावा करता है। पड़ोसी देश इसे ऊंचा समुद्र मानते हैं।

खुले समुद्रों पर संधि की क्या आवश्यकता है?

गहरे समुद्र में अत्यधिक मछली पकड़ने, अवैध रूप से मछली पकड़ने, खनन, प्रदूषण, निवास स्थान के नुकसान और जलवायु परिवर्तन जैसे विभिन्न खतरों का सामना करना पड़ रहा है। नई अंतर्राष्ट्रीय संधि का उद्देश्य उच्च समुद्रों पर संरक्षित क्षेत्रों का प्रतिशत बढ़ाना है, जहां वर्तमान में केवल 1.44% संरक्षित है। यह तब लागू होगा जब कम से कम 60 देश इसकी पुष्टि करेंगे, लेकिन चिंता बनी हुई है क्योंकि इस प्रक्रिया में कुछ समय लग सकता है।

Important Facts

- मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने भोपाल में तीसरे दिव्य कला मेले का उद्घाटन किया।
- ऑस्कर 2023: 'नातु नातू' ने जीता बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का अवॉर्ड; आरआरआर सर्वश्रेष्ठ मूल गीत के लिए ऑस्कर जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म है।
- सुप्रीम ऑडिट इंस्टीट्यूशंस-20 (SAI-20) एंगेजमेंट ग्रुप डेलिगेट्स मीट शुरू, जिसकी अध्यक्षता CAG गिरीश चंद्र मुर्मू ने की।
- नौसेना की निर्देशित मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस सह्याद्री समुद्री साझेदारी अभ्यास के लिए फ्रांस के दो युद्धपोतों में शामिल हुई।
- भारत और ऑस्ट्रेलिया ने बाजार पहुंच पर समझौते के शीघ्र समापन के लिए भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त मंत्रिस्तरीय आयोग की बैठक बुलाई।
- सिलिकन वैली बैंक में सभी जमाराशियों की सुरक्षा के लिए अमेरिका ने आपातकालीन उपाय किए।
- सऊदी अंतरिक्ष आयोग के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इसरो के साथ विचार-विमर्श किया।
- उत्तर कोरिया ने पनडुब्बी से दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया।
- ईरान ने रूस से सुखोई एसयू-35 लड़ाकू विमान खरीदने का समझौता किया है।
- ऑस्कर 2023: अभिनेता ब्रेंडन फ्रेजर ने द व्हेल में अपने प्रदर्शन के लिए अग्रणी भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता।
- AUKUS सौदे को अंतिम रूप देने के लिए यूके, यूएसए और ऑस्ट्रेलिया सैन डिएगो में मिलेंगे।
- गोकुलम केरल ने श्रीनिदी डेक्कन को हराया और आई-लीग में चैंपियन राउंडग्लास पंजाब एफसी और श्रीनिदी के पीछे तीसरे स्थान पर रहे।
- क्रिकेट: विराट कोहली ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अपना सर्वोच्च स्कोर 186 रन बनाया।

स्वदेश दर्शन 2.0 कार्यक्रम

भारत में पर्यटन उद्योग का हमेशा देश की अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान रहा है। यह न केवल रोजगार के अवसर पैदा करता है बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देता है और स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करता है। हालाँकि, पर्यटन के तेजी से विकास ने इसके नकारात्मक प्रभावों को भी जन्म दिया है, जिसमें पर्यावरणीय गिरावट, भीड़भाड़ और स्थानीय समुदायों का शोषण शामिल है।



इन चुनौतियों का समाधान करने और स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने 2014 में स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) की शुरुआत की। एसडीएस का उद्देश्य पूरे भारत में थीम-आधारित पर्यटक सर्किट विकसित करना है, जैसे कि आध्यात्मिक, विरासत और इको-टूरिज्म सर्किट। हालांकि, इस योजना की स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी की कमी के लिए आलोचना की गई थी।

संशोधित स्वदेश दर्शन 2.0 कार्यक्रम

आलोचना के जवाब में, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 (SD2.0) कार्यक्रम शुरू किया है, जो स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करना चाहता है। SD2.0 का उद्देश्य उद्योग में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ाते हुए पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों को दूर करना और जिम्मेदार पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देना है।

SD2.0 कार्यक्रम के तहत, केंद्र सरकार ने 15 राज्यों के 30 शहरों को टिकाऊ और जिम्मेदार स्थलों के रूप में विकसित करने के लिए चुना है। चयनित शहरों में गुजरात में द्वारका और धोलावीरा, गोवा में कोलवा और पोरवोरिम और बिहार में नालंदा और गया शामिल हैं।

गंतव्य प्रबंधन की ओर शिफ्ट

SD2.0 कार्यक्रम थीम आधारित पर्यटक सर्किट से गंतव्य प्रबंधन की ओर एक बदलाव को चिह्नित करता है। गंतव्य प्रबंधन में पर्यटन विकास के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण शामिल है जो पर्यटन के पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर विचार करता है।

SD2.0 कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यटन विकास प्रक्रिया में स्थानीय समुदायों को शामिल करके स्थायी पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देना है। यह पर्यटन अवसंरचना को विकसित करने का भी प्रयास करता है जो स्थानीय पर्यावरण और संस्कृति के प्रति संवेदनशील हो।

SD2.0 प्रोग्राम के अपेक्षित लाभ

SD2.0 कार्यक्रम से भारत में पर्यटन उद्योग को कई लाभ मिलने की उम्मीद है। सबसे पहले, यह टिकाऊ पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देगा, जो पर्यावरण और स्थानीय समुदायों पर पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों को कम करेगा। दूसरे, यह रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा और स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करेगा। तीसरा, यह पर्यटन उद्योग में निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करेगा, जो देश के आर्थिक विकास में योगदान देगा।

कौन हैं कर्नल गीता राणा?

भारतीय सेना ने चीन सीमा के पास पूर्वी लद्दाख में एक संवेदनशील स्थान पर एक स्वतंत्र क्षेत्र कार्यशाला का नेतृत्व करने के लिए एक महिला अधिकारी, कर्नल गीता राणा को नियुक्त करके इतिहास रच दिया है। यह लैंगिक समानता लाने और चुनिंदा शाखाओं में महिला अधिकारियों को कमान सौंपने के भारतीय सेना के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस लेख में, हम इस नियुक्ति के महत्व और भारतीय सेना में महिला सशक्तिकरण के लिए इसके प्रभावों का पता लगाएंगे।

भारतीय सेना में बाधाओं को तोड़ना

कर्नल गीता राणा की नियुक्ति अपनी तरह की पहली नियुक्ति है, क्योंकि इससे पहले किसी भी महिला अधिकारी को मेडिकल स्ट्रीम से बाहर कमांड की भूमिका नहीं सौंपी गई थी। यह विकास भारतीय सेना द्वारा फरवरी-अंत में महिला अधिकारियों को कमांड भूमिकाओं में सौंपने के निर्णय के बाद आया है, जब सेना ने 2020 में उन्हें स्थायी कमीशन (पीसी) देना शुरू किया था।

मेडिकल स्ट्रीम से बाहर महिला अधिकारियों को कमांड भूमिकाओं में नियुक्त करने का निर्णय भारतीय सेना में लैंगिक समानता की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। यह अधिक महिलाओं को नेतृत्व संभालने का मार्ग प्रशस्त करेगा सशस्त्र बलों में भूमिकाएँ, जिससे पुरुष-प्रधान क्षेत्र में पारंपरिक लैंगिक बाधाएँ टूट गईं।





कर्मल गीतल रलणल की पृषुठभूमि और उपलब्धियां

कर्मल गीतल रलणल उतरलखंड के पौड़ी से तलल्लुक रलखती हैं, जो भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रलवत कल गृहनगर भी हैं। वह कोर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स (ईएमई) की सदस्य हैं और पहले मलस्को, रूस में एक सैन्य अतलशे सहित विभिन्न क्षमतलओं में सेवा दे चुकी हैं।

पूर्वी लददलख में एक स्वतंत्र फील्ड वर्कशॉप के कमांडर के रूप में उनकी नियुक्ति उनके कौशल, अनुभव और नेतृत्व गुणों कल प्रमाण हैं। भारतीय सेनल में महिलाओं के लिए यह गर्व कल क्षण है, क्योंकि कर्मल गीतल रलणल ने कलंच की छत को तोड़ दिया है और भविष्य में अधिक महिलाओं को कमान की भूमिकल निभलने के लिए दरवलजे खोल दिए हैं।

भलरतीय सेनल में महिला अधिकारितल के लिए निहितार्थ

पूर्वी लददलख में एक स्वतंत्र फील्ड वर्कशॉप के कमांडर के रूप में कर्मल गीतल रलणल की नियुक्ति भलरतीय सेनल में महिला सशक्तिकरण की दिशल में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह एक मजबूत संदेश देतल है कि महिलाएं सशस्त्र बलों में नेतृत्व की भूमिकल निभलने और देश की रक्षा और सुरक्षा में योगदलन देने में सक्षम हैं।

यह नियुक्ति उन युवल महिलाओं के लिए प्रेरणल स्रोत के रूप में भी कलम करेगी जो भलरतीय सेनल में शलमिल होने और बदलवल ललने की इच्छल रलखती हैं। यह और अधिक महिलाओं को सशस्त्र बलों में करियर बनलने और उनके सलमने आने वलली चुनौतियाँ और बलधलओं के बलवजूद अपने सपनों को पूरल करने के लिए प्रोत्सलहित करेगल।

केंजलबुरो ओई कौन है?

नोबेल पुरस्कर विजेतल जलपलनी लेखक केंजलबुरो ओई कल 10 मलर्च, 2023 को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गयल। उनकी मृत्यु जलपलनी सलहित्य में एक युग के अंत कल प्रतीक है, क्योंकि ओई को वल्यलपक रूप से सबसे महत्वपूर्ण और प्रभलवलशलली में से एक मलनल जलतल थल। द्वितीय विश्व युद्ध के बलद के युग के लेखक। उनके कर्यो ने अक्सर जलपलन के दर्दनलक इतिहलस के लेंस के मलध्यम से पहचलन, स्मृति, आघलत और मलनवीय स्थिति के जटिल विषयों की खोज की।

Öe कल प्रारंभिक जीवन और कैरियर

Kenzaburō Öe कल जन्म 1935 में जलपलन के शिकोकू द्वीप के पश्चिमी तट पर एक छोटे से गलँव Öse में हुल। वह एक ग्रलमीण परिवेश में पले-बढ़े, प्रकृति से घिरे और अपने मूल क्षेत्र के मिथकों और परंपरलओं में डूबे हुए थे। उनके पितल एक शिक्षक थे, और उनकी मलँ डॉक्टरों के परिवलर से आई थीं। कम उम्र से ही, ओ ने सलहित्य के लिए एक जुनून दिखायल और हलई स्कूल में रहते हुए भी कवितल और कहलनियाँ लिखनल शुरू कियल।

टोक्यो विश्वविदुवललय से स्नलतक होने के बलद, Öe ने एक लेखक के रूप में अपना करियर शुरू कियल, 1958 में अपना पहलल उपन्यलस, "निप द बड्स, शूट द किड्स" प्रकलशित कियल। कितलब, जो लडकों के एक समूह की कहलनी बतलती है, जिन्हें उनके गलँव ने छोड़ दिया है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, एक महत्वपूर्ण और वल्यलवसलयिक सफलतल थी और ओई को जलपलनी सलहित्य में एक उभरते सितारे के रूप में स्थलपित कियल।

Öe के विषय और शैली क्यल हैं?

अपने पूरे करियर के दौरान, Öe के कर्यो ने वल्यक्तिगत और रलजनीतिक पहचलन, स्मृति और आघलत, और युद्ध के बलद की मलनवीय स्थिति के विषयों की खोज की। उनके उपन्यलस, लघु कथलएँ और निबंध अक्सर जलपलन के क्षेत्रों, विशेष रूप से ओकिनलवल, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बलद अमेरिकी सेनल के कब्जे में थे, के मिथकों और परंपरलओं में तल्लीन थे।



Öe की शैली को इसकी जटिलता और गहराई की विशेषता थी, जिसमें उनके कई काम गैर-रैखिक कथाओं और धारा-की-चेतना तकनीकों का उपयोग करते थे। उन्हें प्रतीकात्मकता और इमेजरी के उपयोग के लिए भी जाना जाता था, जो अक्सर अपने विषयों का पता लगाने के लिए पारंपरिक जापानी संस्कृति और पौराणिक कथाओं पर चित्रण करते थे।

साहित्य के क्षेत्र में ओई का क्या योगदान है?

जापानी साहित्य में Kenzaburō Ōe के योगदान को जापान और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से मान्यता दी गई है। अपने नोबेल पुरस्कार के अलावा, उन्होंने अपने पूरे करियर में कई अन्य प्रशंसाएँ प्राप्त कीं, जिनमें जापान के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों में से दो तनिज़ाकी पुरस्कार और अकुतागावा पुरस्कार शामिल हैं।

Öe की रचनाओं का कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है और दुनिया भर में पढ़ा और पढ़ा जाना जारी है। जापान के जटिल इतिहास की उनकी खोज और मानव स्थिति के सूक्ष्म और जटिल चित्रण ने उन्हें 20वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली लेखकों में से एक के रूप में स्थान दिलाया है।

Q+A: गे और ट्रांसजेंडर द्वारा रक्तदान पर भारत का प्रतिबंध

भारत में समलैंगिक और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को कई रूपों में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही एक भेदभाव है उन पर रक्तदान करने पर प्रतिबंध। इस प्रतिबंध को चुनौती देने के लिए एक याचिका दायर करने के बाद, भारत सरकार ने वैज्ञानिक सबूतों का हवाला देते हुए बहिष्करण का बचाव किया, जिसमें ट्रांसजेंडर और समलैंगिक समुदाय को एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमणों के लिए "जोखिम में" समूह में वर्गीकृत किया गया था।

ट्रांसजेंडर और समलैंगिक समुदाय द्वारा रक्तदान पर रोक लगाने वाले नियमों की आलोचना क्यों की जाती है?

रक्तदान करने वाले समलैंगिक और ट्रांसजेंडर लोगों पर प्रतिबंध 1980 के दशक में लगाया गया था जब एचआईवी/एड्स का पता लगाने और प्रसारित करने की जानकारी कम उन्नत थी। उस समय पेलोगों को वायरस के संचरण के तरीकों के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी, और रक्तदान में एचआईवी का पता लगाने के लिए कोई विश्वसनीय परीक्षण नहीं था। एचआईवी संचरण के डर से भारत सहित कई देशों में समलैंगिक और ट्रांसजेंडर लोगों को रक्तदान करने से वंचित कर दिया गया।

भारत सरकार वैज्ञानिक आधार पर प्रतिबंध को सही ठहराती है, जिसमें कहा गया है कि समुदाय को एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण का अधिक खतरा है। हालांकि, कार्यकर्ताओं का तर्क है कि प्रतिबंध भेदभावपूर्ण है और समानता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। उनका तर्क है कि सरकार का रुख पुरानी रूढ़ियों पर आधारित है और एचआईवी संचरण और रोकथाम के वर्तमान चिकित्सा ज्ञान के अनुरूप नहीं है।

भारत में वर्तमान नीति क्या है?

भारत में, रक्तदाताओं की फिटनेस चिकित्सा अधिकारियों द्वारा निर्धारित की जाती है, जिन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे उन बीमारियों से मुक्त हैं जो रक्त आधान से फैलती हैं और एचआईवी, हेपेटाइटिस बी या सी संक्रमण के जोखिम में नहीं हैं। चिकित्सा अधिकारी संभावित दाताओं को दाताओं के रूप में स्वीकार करने से पहले उनके चिकित्सा इतिहास, यौन व्यवहार और अन्य जोखिम कारकों की जांच करते हैं। हालांकि, वे समलैंगिक और ट्रांसजेंडर लोगों को उनके व्यक्तिगत जोखिम कारकों की परवाह किए बिना रक्तदान करने से बाहर करते हैं।

कार्यकर्ता वर्षों से इस प्रतिबंध को चुनौती दे रहे हैं, यह तर्क देते हुए कि यह भेदभावपूर्ण है और एचआईवी संचरण की पुरानी धारणाओं पर आधारित है। 2018 में, भारत सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि वह प्रतिबंध हटाने पर विचार कर रही है, लेकिन



तब से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। 2020 में, नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल (NBTC) ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों द्वारा रक्तदान पर नीति की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया। हालांकि अभी कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार है।

क्या अन्य देश समलैंगिक और ट्रांसजेंडर लोगों द्वारा रक्तदान की अनुमति देते हैं?

जबकि कई देशों में अभी भी समलैंगिक और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों द्वारा रक्तदान पर प्रतिबंध है, कुछ ने इन प्रतिबंधों को कम करने के लिए दिशानिर्देशों का प्रस्ताव दिया है। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2015 में समलैंगिक और उभयलिंगी पुरुषों द्वारा रक्तदान पर अपने आजीवन प्रतिबंध को हटा दिया और इसे उन पुरुषों के लिए एक साल की स्थगित अवधि के साथ बदल दिया, जिन्होंने अन्य पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाए हैं। इसी तरह, यूनाइटेड किंगडम में समलैंगिक और उभयलिंगी पुरुषों के लिए तीन महीने की स्थगित अवधि है।

हालांकि, कार्यकर्ताओं द्वारा भेदभावपूर्ण और रूढ़िवादिता पर आधारित होने के कारण इन दिशानिर्देशों की आलोचना की गई है। उनका तर्क है कि स्थगित अवधि व्यक्तिगत जोखिम कारकों पर आधारित नहीं है बल्कि यौन अभिविन्यास पर आधारित है, जो एचआईवी संचरण का एक विश्वसनीय संकेतक नहीं है। 14 मार्च

कोमाराम भीम कौन थे?

कोमारम भीम का जन्म कोमारभीम जिले के संकेपल्ली गांव में गोंड आदिवासी समुदाय में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों और निजामों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उसने एक जागीरदार को मार डाला, जो निजाम का मुखबिर था, जिसने उसके परिवार की जमीन पर कब्जा कर लिया था। भीम ने आदिवासी लोगों के बीच "जल, जंगल, जमीन" (जल, वन भूमि) का संदेश फैलाया, जो प्राकृतिक संसाधनों पर स्वदेशी लोगों के अधिकारों के लिए एक स्पष्ट आह्वान बन गया है। जोड़ेघाट के जंगल में निजाम की सेना के हाथों उनकी मृत्यु हो गई।

सांस्कृतिक प्रभाव

राजू और भीम लंबे समय से इस क्षेत्र के लोक नायक रहे हैं। 1986 में, भारतीय डाक विभाग ने राजू के सम्मान में और स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष में उनके योगदान के लिए एक डाक टिकट जारी किया। 1974 की तेलुगु फिल्म 'अल्लूरी सीताराम राजू' और 1990 की तेलुगु फिल्म 'कोमाराम भीम' दोनों लोकप्रिय थीं। मई 2022 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के भीमावरम में अल्लूरी सीताराम राजू की 30 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया, क्योंकि स्वतंत्रता सेनानी की 125 वीं जयंती के साल भर चलने वाले समारोह शुरू हुए।

स्विट्जरलैंड में आईपीसीसी की बैठक और सिंथेसिस रिपोर्ट

जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी) सिंथेसिस रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए स्विट्जरलैंड में बैठक आयोजित करने के लिए तैयार है, जो आईपीसीसी की पिछली पांच रिपोर्टों के निष्कर्षों को सारांशित करेगी और जलवायु परिवर्तन से संबंधित नीति-प्रासंगिक वैज्ञानिक प्रश्नों को संबोधित करेगी। रिपोर्ट मुख्य वैश्विक लक्ष्य के रूप में 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पूरा करने पर जोर देगी। सिंथेसिस रिपोर्ट से पिछली रिपोर्टों का गैर-तकनीकी सारांश प्रदान करने की उम्मीद है, जो 2018 से छठे मूल्यांकन चक्र के दौरान जारी की गई थीं।

सिंथेसिस रिपोर्ट दुनिया भर के नीति निर्माताओं के उद्देश्य से है, और इस साल 20 मार्च को जारी होने के बाद शर्म अल-शेख में पिछले साल की जलवायु बैठक में लिए गए निर्णयों को लागू करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कोपेनहेगन में एक मंत्री स्तरीय बैठक होगी। रिपोर्ट पर संयुक्त राष्ट्र 2023 जल सम्मेलन में भी चर्चा की जाएगी, जिसमें जलवायु परिवर्तन सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा में से एक है। इसका उद्देश्य दुबई में इस वर्ष के अंत में होने वाले जलवायु सम्मेलन में अधिक महत्वाकांक्षी समझौतों के लिए माहौल बनाना है।



जलवायु परिवर्तन और इसका प्रभाव

जलवायु विज्ञान अच्छी तरह से स्थापित है, और इसके प्रभाव पहले से ही दिखाई दे रहे हैं, चरम मौसम की घटनाएं आदर्श बन रही हैं। यह अब तक के सबसे गर्म वर्षों में से एक होने की भविष्यवाणी की गई है, इस साल भारत में फरवरी अब तक का सबसे गर्म है, और देश के कई हिस्सों में असामान्य रूप से गर्म मौसम जारी है। दुनिया के कई अन्य हिस्सों में जलवायु के प्रभाव ने पहले ही जनसंख्या समूहों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है।

जलवायु परिवर्तन पर देशों की कार्रवाई

आसन्न तबाही की बार-बार की गई भविष्यवाणी के बावजूद, देशों ने जलवायु संकट का मुकाबला करने के लिए बहुत कम या कोई कदम नहीं उठाया है। कार्रवाई का मौजूदा स्तर 2 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रयास के अनुरूप भी नहीं है। ग्लोबल वार्मिंग के मुख्य योगदानकर्ताओं में से एक, जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की प्रतिबद्धता के रूप में बुनियादी बातों पर भी असहमति है।

डिक फॉस्बरी का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया

अपनी अपरंपरागत तकनीक से ऊंची कूद के खेल को हमेशा के लिए बदल देने वाले दिग्गज अमेरिकी हाई जम्पर डिक फॉस्बरी का 76 साल की उम्र में निधन हो गया। फॉस्बरी 1968 के मैक्सिको सिटी ओलंपिक में ऊंची कूद में स्वर्ण पदक विजेता थे, जहां उन्होंने दुनिया को चौंका दिया था। उनकी क्रांतिकारी शैली के साथ, जिसे फॉस्बरी फ्लॉप के नाम से जाना जाता है।

फॉस्बरी फ्लॉप रातोंरात सफल नहीं हुई; यह वर्षों के प्रयोग और अभ्यास का परिणाम था। फॉस्बरी ने पारंपरिक स्ट्रैडल तकनीक का उपयोग करके अपने एथलेटिक करियर की शुरुआत की, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि यह उन्हें वांछित परिणाम दिलाने के लिए पर्याप्त प्रभावी नहीं था। 1963 में एक हाई स्कूल मीट के दौरान, फॉस्बरी ने स्ट्रैडल को खोदने और कैंची तकनीक को आजमाने का फैसला किया, जो उस समय बहुत लोकप्रिय नहीं थी। कैंची तकनीक में बार के ऊपर से कूदना शामिल है जिसमें एक पैर आगे और दूसरा पैर आगे होता है।

हालाँकि, फॉस्बरी कैंची तकनीक पर नहीं रुका; उन्होंने इसमें अपना अनूठा मोड़ जोड़ा। बार के ऊपर आगे जाने के बजाय, वह पीछे झुक गया और बार के ऊपर से पीछे की ओर कूदा, पहले सिर। यह एक ऐसी चाल थी जिसे पहले कभी नहीं देखा गया था और भीड़ दंग रह गई थी। फॉस्बरी ने उस दिन दो व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाए, और फॉस्बरी फ्लॉप का जन्म हुआ।

फॉस्बरी फ्लॉप का प्रभुत्व

फॉस्बरी फ्लॉप को ऊंची कूद की दुनिया में स्वीकृति प्राप्त करने में कुछ समय लगा। प्रशिक्षकों और एथलीटों को नई तकनीक पर संदेह था, और कई लोगों ने सोचा कि यह खतरनाक है। लेकिन फॉस्बरी ने इसे जारी रखा, और जब तक वे कॉलेज पहुंचे, तब तक उन्होंने तकनीक में महारत हासिल कर ली थी। 1968 में, फॉस्बरी को यूएस ओलंपिक टीम के लिए चुना गया और मैक्सिको सिटी का नेतृत्व किया।

फॉस्बरी के लिए दुनिया को अपनी तकनीक दिखाने के लिए ओलंपिक एक आदर्श मंच था। वह उस समय के कुछ सर्वश्रेष्ठ हाई जंपर्स के खिलाफ थे, लेकिन उन्हें विश्वास था कि उनकी तकनीक उन्हें बढ़त दिला देगी। फॉस्बरी के विरोधियों ने उनकी शैली की नकल करने की कोशिश की, लेकिन वे बुरी तरह विफल रहे। फॉस्बरी ने 2.24 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता, जो एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड था।

डिक की विरासत फॉस्बरी

ओलंपिक के बाद, फॉस्बरी फ्लॉप दुनिया भर में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक बन गई। यह सभी उम्र और कौशल स्तरों के उच्च कूदने वालों द्वारा अपनाया गया था, और यह आज तक प्रमुख तकनीक बनी हुई है। फॉस्बरी के इनोवेशन ने ऊंची कूद के खेल को हमेशा के लिए बदल दिया और इसने उन्हें ओलंपिक हॉल ऑफ़ फ़ेम में जगह दिलाई।

फॉस्बरी की विरासत एथलेटिक्स की दुनिया से भी आगे तक फैली हुई है। उनकी नवीन सोच और जोखिम उठाने की इच्छा जीवन के सभी क्षेत्रों में लोगों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने साबित किया कि कभी-कभी अपरंपरागत रास्ता ही सफलता की ओर ले जाता है।

13वां अभ्यास बोल्ट कुरुक्षेत्र:

भारत और सिंगापुर की सेनाओं के बीच एक द्विपक्षीय कवच अभ्यास बोल्ट कुरुक्षेत्र का 13वां संस्करण 6 मार्च से 13 मार्च, 2023 तक जोधपुर सैन्य स्टेशन, भारत में आयोजित किया गया था। इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य सहयोग को बढ़ाना, यंत्रीकृत युद्ध की एक आम समझ बनाना, उभरते खतरों का मुकाबला करना और उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुकूल होना है। इसने दोनों सेनाओं को आधुनिक युद्ध क्षेत्र में विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने का अवसर भी प्रदान किया।

कमांड पोस्ट अभ्यास में दोनों सेनाओं की भागीदारी

एक्सरसाइज बोल्ट कुरुक्षेत्र के 2023 संस्करण ने पहली बार चिह्नित किया कि दोनों सेनाओं ने कमांड पोस्ट अभ्यास में भाग लिया। इसमें बटालियन और ब्रिगेड स्तर के नियोजन तत्व और कंप्यूटर वॉरगेमिंग शामिल थे। इस अभ्यास में 42वीं बटालियन, सिंगापुर आर्म्ड रेजिमेंट और भारतीय सेना की आर्म्ड ब्रिगेड के सैनिकों ने हिस्सा लिया। संयुक्त प्रशिक्षण एक संयुक्त कमांड पोस्ट के माध्यम से नियंत्रित संयुक्त परिचालन और सामरिक प्रक्रियाओं का उपयोग करके एक कंप्यूटर सिमुलेशन-आधारित वॉरगेम के माध्यम से इंटरऑपरेबिलिटी विकसित करने पर केंद्रित था।

एक्सरसाइज बोल्ट कुरुक्षेत्र के उद्देश्य

इस अभ्यास का उद्देश्य उभरते हुए खतरों और उभरती प्रौद्योगिकियों में यंत्रीकृत युद्ध की एक आम समझ को बढ़ावा देना है। इसने दोनों टुकड़ियों को एक-दूसरे के संचालन अभ्यास और प्रक्रियाओं के बारे में जानने का अवसर प्रदान किया, साथ ही आधुनिक युद्ध क्षेत्र में विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान किया।

अभ्यास बोल्ट कुरुक्षेत्र सिंगापुर सेना और भारतीय सेना के बीच संयुक्त सेना प्रशिक्षण और अभ्यास के लिए द्विपक्षीय व्यवस्था के दायरे में आयोजित किया गया था। यह सिंगापुर और भारत के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को रेखांकित करता है और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग को बढ़ाता है।

द्विपक्षीय रक्षा संबंधों का महत्व

यह अभ्यास सिंगापुर और भारत के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के महत्व पर प्रकाश डालता है। दोनों देश उच्च स्तरीय यात्राओं, नीतिगत संवादों, पाठ्यक्रमों और अन्य पेशेवर आदान-प्रदानों के माध्यम से नियमित रूप से बातचीत करते हैं। दोनों देशों के रक्षा प्रतिष्ठान रक्षा, सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ अपने आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

डीआरडीओ का पीटीओ दस्ता:

14 मार्च, 2023 को, चेन्नई में कॉम्बैट व्हीकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (CVRDE), जो कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) का एक हिस्सा है, ने पावर टेक ऑफ (PTO) शाफ्ट का सफल उड़ान-परीक्षण किया। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए तेजस) लिमिटेड सीरीज प्रोडक्शन (एलएसपी) - बेंगलुरु में 3 विमान। यह महत्वपूर्ण घटक CVRDE द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है और भविष्य के लड़ाकू विमानों और उनके वेरिएंट की आवश्यकताओं का समर्थन करने की उम्मीद है। पीटीओ शाफ्ट एक प्रतिस्पर्धी लागत और उपलब्धता का कम समय प्रदान करता है, और इसकी अभिनव पेटेंट 'फ्रीक्वेंसी स्पैनिंग तकनीक' इसे विभिन्न



AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

Where tradition meets innovation

ऑपरेटिंग इंजन गति पर बातचीत करने में सक्षम बनाती है। पीटीओ शाफ्ट में जटिल हाई-स्पीड रोटर तकनीक का सफल कार्यान्वयन डीआरडीओ के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, और यह 'आत्मनिर्भर भारत' या आत्मनिर्भर भारत प्राप्त करने की दिशा में एक कदम आगे है।

पीटीओ दस्ता प्रौद्योगिकी

पीटीओ शाफ्ट विमान में एक महत्वपूर्ण घटक है क्योंकि यह इंजन गियरबॉक्स को एयरक्राफ्ट माउंटेड एक्सेसरी गियर बॉक्स से जोड़ता है। पीटीओ शाफ्ट प्रौद्योगिकी को एक अद्वितीय अभिनव पेटेंट 'फ्रीक्वेंसी स्पैनिंग तकनीक' के साथ डिजाइन किया गया था, जो इसे विभिन्न ऑपरेटिंग इंजन गति पर बातचीत करने में सक्षम बनाता है। तकनीक लाइटवेट हाई-स्पीड पीटीओ शाफ्ट को ड्राइव लाइन में उत्पन्न होने वाले मिसलिग्न्मेंट को समायोजित करते हुए उच्च शक्ति संचारित करने की अनुमति देती है। यह डिजाइन प्रतिस्पर्धी लागत और उपलब्धता का कम समय प्रदान करता है।

कॉम्प्लेक्स हाई-स्पीड रोटर टेक्नोलॉजी का सफल अहसास

पीटीओ शाफ्ट के सफल परीक्षण के साथ, डीआरडीओ ने जटिल हाई-स्पीड रोटर तकनीक को साकार करके एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि हासिल की है, जिसे कुछ ही देशों ने पूरा किया है। प्रौद्योगिकी की सफलता देश की अनुसंधान क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। यह सक्रिय रूप से परीक्षण विमान कार्यक्रमों का समर्थन करेगा।

सहयोग और भविष्य की संभावनाएं

पीटीओ शाफ्ट परीक्षण की सफलता वैमानिकी विकास एजेंसी, सैन्य उड़नयोग्यता और प्रमाणन केंद्र, वैमानिकी योग्यता महानिदेशालय का एक सहयोगात्मक प्रयास थाआईटी एशयोरेंस, और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड। यह तकनीक गोदरेज एंड बॉयस, मुंबई और लक्ष्मी टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, कोयम्बटूर को पहले ही हस्तांतरित की जा चुकी है।

रवांडा की पहली mRNA वैक्सीन उत्पादन सुविधा: महत्वपूर्ण तथ्य

रवांडा ने मैसेंजर आरएनए (एमआरएनए) टीकों के निर्माण की सुविधा वाला पहला अफ्रीकी देश बनकर संक्रामक रोगों के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। 800 वर्ग मीटर जगह में फैली यह फैसिलिटी टीबी, एचआईवी और अन्य बीमारियों से निपटने के लिए नए चिकित्सीय परीक्षणों का संचालन करने में सक्षम है।

बायोटेनर्स मोबाइल एमआरएनए फैक्ट्री

रवांडा में mRNA वैक्सीन की सुविधा छह मोबाइल फैक्ट्रियों से बनी है जिन्हें बायोटेनर्स कहा जाता है। वे जर्मन दवा कंपनी BioNTech द्वारा विकसित किए गए थे। यह सुविधा प्रति वर्ष टीकों की अधिकतम 50 मिलियन खुराक का उत्पादन करने में सक्षम है। बायोटेनर्स के मॉड्यूलर सिस्टम में दो मॉड्यूल होते हैं, प्रत्येक छह कंटेनरों से बना होता है। पहले मॉड्यूल में, mRNA का उत्पादन और शुद्धिकरण किया जाता है। दूसरे में इसे वैक्सीन बनाया जाता है।

mRNA टीके और उनका महत्व

एमआरएनए एक प्रकार का आरएनए है जो प्रोटीन उत्पादन के लिए आवश्यक है। एमआरएनए टीके एक वायरल प्रोटीन से मेल खाने वाले टुकड़े को पेश करके काम करते हैं। एमआरएनए कोशिकाओं को उस प्रोटीन का उत्पादन करने का निर्देश देता है, जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को ट्रिगर करता है। भविष्य में इसका सामना करने पर शरीर वायरस से लड़ने के लिए एंटीबॉडी का उत्पादन करता है।

एमआरएनए टीकों का महत्व यह है कि उन्हें पारंपरिक टीकों की तुलना में अधिक तेजी से विकसित किया जा सकता है। mRNA टीकों ने COVID-19 के खिलाफ उच्च प्रभाव दिखाया है और दुनिया भर में व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।



संक्रामक रोगों पर परीक्षण

COVID-19 टीकों के उत्पादन के अलावा, रवांडा में सुविधा मलेरिया, तपेदिक, एचआईवी और कैंसर जैसे संक्रामक रोगों के लिए नए उपचारों पर परीक्षण करने में भी मदद करेगी। यह न केवल रवांडा के लिए बल्कि अफ्रीका के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा, जो स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार क्लिनिकल परीक्षण अनुसंधान उत्पादन में केवल 2 प्रतिशत का योगदान देता है। एमआरएनए वैक्सीन सुविधा वैश्विक विज्ञान और महामारी की तैयारी में अफ्रीका के योगदान को बढ़ाने में भी मदद करेगी।

बेहतर वैक्सीन एक्सेस

रवांडा में बायोटेनर्स के आगमन से न केवल रवांडा बल्कि अन्य अफ्रीकी संघ देशों में भी टीके की पहुंच में सुधार होगा। यह सुविधा उस टीके की कमी को दूर करने में मदद करेगी जो अफ्रीका अनुभव कर रहा है।

तथ्य पत्रक: सिका हिरण

सिका हिरण, जिसे जापानी हिरण या उत्तरी चित्तीदार हिरण के रूप में भी जाना जाता है, जापान, ताइवान और चीन के पूर्वी हिस्सों सहित पूर्वी एशिया के अधिकांश हिस्सों की एक प्रजाति है। प्रजातियों को दुनिया के विभिन्न अन्य हिस्सों में भी पेश किया गया है। यह छोटे सिर और छोटे पैरों के लिए जाना जाता है। उनके निवास स्थान के आधार पर, प्रजातियाँ छोटी या मध्यम आकार की हो सकती हैं। नर के सींग तीन से चार बिंदुओं के साथ होते हैं, जिनमें अधिक प्रभावशाली के साथ अतिरिक्त अंक होते हैं। दूसरी ओर, महिलाओं के सिर पर दो काले धब्बे होते हैं। उनके कोट पीले-भूरे रंग से लेकर लाल-भूरे रंग के होते हैं, गर्मियों में सफेद धब्बे से घिरे एक गहरे पृष्ठीय पट्टी के साथ। सर्दियों के दौरान, उनका रंग गहरे भूरे या काले रंग में बदल जाता है, बिना धब्बे या बहुत ही हल्के रंग के साथ।

जापान में सिका हिरण

सिका हिरण जापानी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह कला, साहित्य और लोककथाओं का लगातार विषय है। जापान में, सिका हिरण को एक राष्ट्रीय खजाना भी माना जाता है और यह एक संरक्षित प्रजाति है। जापान में उनकी आबादी लगभग 1 मिलियन होने का अनुमान है, जिससे वे देश में एक आम दृश्य बन जाते हैं। हिरण अक्सर पार्कों और मंदिरों में पाए जाते हैं और मनुष्यों के आदी हो गए हैं, कभी-कभी भोजन के लिए उनसे संपर्क करते हैं। इससे अधिक आबादी और जंगलों और फसलों को नुकसान के बारे में चिंताएं पैदा हुई हैं।

कसुगा ताईशा श्राइन के पास सिका हिरण की आनुवंशिक विशिष्टता

फुकुशिमा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा जापान में किए गए एक हालिया अध्ययन में पता चला है कि होन्शु द्वीप पर नारा शहर में कसुगा ताईशा श्राइन और टोडाईजी बौद्ध मंदिर के पास रहने वाले सिका हिरण आनुवंशिक रूप से अद्वितीय हैं। शोधकर्ताओं ने 2000 और 2016 के बीच केआईआई प्रायद्वीप पर 30 साइटों पर रहने वाले 294 सिका हिरणों से नमूने एकत्र किए। माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए के विश्लेषण के माध्यम से, टीम ने तीन अलग-अलग आनुवंशिक समूहों की पहचान की, जिनमें से एक में एक अद्वितीय हैप्लोटाइप था, जो जीन के प्रतिबंधित प्रवाह का सुझाव देता है। अपने मातृ वंश के पार। इस पृथक समूह में कसुगा ताईशा श्राइन के आसपास के सिका हिरण शामिल थे और माना जाता है कि लगभग 1,400 साल पहले केआई प्रायद्वीप के बाकी हिस्सों से अलग हो गए थे जब मंदिर की स्थापना हुई थी।

1. 'ट्रोपेक्स 2023' किस देश द्वारा आयोजित एक प्रमुख परिचालन स्तर का अभ्यास है?

[ए] भारत

[बी] ऑस्ट्रेलिया

[सी] यूके

[डी] यूएसए

सही उत्तर: ए [भारत]



AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

Where tradition meets innovation

टिप्पणियाँ:

भारतीय नौसेना का प्रमुख परिचालन स्तर का अभ्यास TROPEX 2023 हाल ही में हिंद महासागर क्षेत्र में अरब सागर में संपन्न हुआ था।

अभ्यास हाल ही में अरब सागर में इस सप्ताह संपन्न हुआ। समग्र अभ्यास निर्माण में तटीय रक्षा अभ्यास सी विजिल और उभयचर अभ्यास AMPHEX शामिल थे। इन अभ्यासों में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और तटरक्षक बल की महत्वपूर्ण भागीदारी भी देखी गई।

2. केंद्र ने हाल ही में NAFED, NCCF को किस उत्पाद की खरीद के लिए बाजार में तत्काल हस्तक्षेप करने का निर्देश दिया है?

[ए] एक आलू [ख] लाल प्याज

[सी] कपास [डी] जूट

सही उत्तर: बी [लाल प्याज]

टिप्पणियाँ:

केंद्र ने नैफेड और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) को लाल प्याज (खरीफ) की खरीद के लिए बाजार में तत्काल हस्तक्षेप करने का निर्देश दिया है।

मंदी के मौसम में आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू रखने के लिए बफर के रूप में प्याज की खरीद और भंडारण के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष की स्थापना की गई है।

3. किस देश ने 25 वर्षों में पहली बार महिलाओं के लिए सैन्य सेवा खोली है?

[ए] श्रीलंका [बी] कोलंबिया

[सी] यूके [डी] जापान

सही उत्तर: बी [कोलंबिया]

टिप्पणियाँ:

कोलंबिया ने 25 वर्षों में पहली बार महिलाओं के लिए सैन्य सेवा खोली है। फरवरी के महीने में कोलंबिया की सेना में 1,296 महिलाओं के जत्थे को भर्ती किया गया है।

कोलंबिया में लंबे समय से 18 से 24 वर्ष की आयु के पुरुषों के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा है। सेना स्टाफ बेस, बुनियादी ढांचे की रक्षा और प्रशासनिक कार्यों को पूरा करने के लिए युवा रंगरूटों पर बहुत अधिक निर्भर करती है, जबकि इसके पेशेवर सैनिक मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों और विद्रोही समूहों का सामना करते हैं।

4. किस देश ने 'अवैध प्रवासन विधेयक' पेश किया?

[ए] यूएसए [बी] यूके

[सी] चीन [डी] ग्रीस

सही उत्तर: बी [यूके]

टिप्पणियाँ:

यूके के अवैध प्रवासन विधेयक, जिसे प्रधान मंत्री ऋषि सनक द्वारा पेश किया गया था, का उद्देश्य हजारों प्रवासियों को छोटी नावों पर इंग्लिश चैनल पार करने से रोककर अवैध आप्रवासन के मुद्दे से निपटना है।

बिल यूके सरकार को कुछ अपवादों के साथ अवैध रूप से देश में आने वाले किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और निर्वासित करने का अधिकार देता है। यह ब्रिटिश संसद को देश में अनुमत अप्रवासियों की संख्या पर एक कोटा निर्धारित करने की अनुमति देता है।

30
ACSA Jaipur

Mobile No.- 8824395504, 8290664069

Mail ID-acsaJaipur@gmail.com



<https://t.me/ACSAJAIPUR4IAS>



Instagram

<https://www.instagram.com/acsaJaipur/>



<https://www.facebook.com/acsaJaipur>



AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

Where tradition meets innovation

5. मिमुसेमिया सीलोनिका, दुर्लभ पतंगे की प्रजाति, भारत में पहली बार किस राज्य में देखी गई है?

[ए] केरल

[बी] तमिलनाडु

[सी] कर्नाटक

[डी] ओडिशा

सही उत्तर: बी [तमिलनाडु]

टिप्पणियाँ:

शोधकर्ताओं ने 127 वर्षों के बाद तमिलनाडु में कलक्कड़-मुंडनथुराई टाइगर रिजर्व में भारत में पहली बार माइम्यूसेमिया सिलोनिका, दुर्लभ कीट प्रजाति देखी।

यह आखिरी बार 127 साल पहले श्रीलंका में दर्ज किया गया था और निष्कर्ष 2018 के बाद से महीने में दो बार किए गए कीट सर्वेक्षण पर आधारित हैं। यह पहली बार है जब भारत में इस कीट प्रजाति को रिकॉर्ड किया जा रहा है।

ACSA

